लखनऊ

गुरुवार, 10 सितंबर, 203

वर्ष : 12 । अंक: 17

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शब्दों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि ये आपके संस्कार बताते हैं।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi | NIGHT 28° Low

संक्षेप

गणेशोत्सव पर कोंकण जाने वाले भक्तों को महाराष्ट्र सरकार का तोहफा, 11 से 27 सितंबर तक टोलमाफी

मुंबई। गणेशोत्सव के अवसर पर कोंकण स्थित अपने गांव जाने वाले गणेश भक्तों को महाराष्ट्र सरकार ने राहत दी है। राज्य सरकार ने 11 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक कोंकण की ओर जाने वाले गणेश भक्तों के वाहनों को टोलमाफी देने का फैसला किया है। लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोंसले ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सरकार ने टोलमाफी के लिए अलग पास और स्टिकर की भी व्यवस्था की है, जो वापसी की यात्रा में भी मान्य होंगे। सरकार के अनुसार, यह छूट मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग-48, मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग-66 और लोक निर्माण विभाग तथा महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल के अंतर्गत आने वाले कोंकण मार्गों पर स्थित टोल नाकों पर लागू होगी। इसके अलावा, नगर विकास विभाग के अधीन अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु से कोंकण जाने वाले गणेश भक्तों के वाहनों को भी टोलमाफी का लाभ मिलेगा। गणेशोत्सव के दौरान मुंबई, ठाणे, पुणे समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग कोंकण स्थित अपने मूल गांव जाते हैं। इस कारण मुंबई-गोवा राजमार्ग और अन्य प्रमुख मार्गों पर वाहनों की संख्या काफी बढ़ जाती है। सरकार का कहना है कि टोलमाफी से श्रद्धालुओं पर यात्रा का अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम होगा और उनका सफर अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। टोलमाफी का लाभ लेने के लिए 'गणेशोत्सव 2026 कोंकण दर्शन' लिखे स्वतंत्र स्टिकर या पास उपलब्ध कराए जाएंगे। पास पर वाहन का नंबर और चालक का नाम दर्ज होगा। पुलिस स्टेशन, यातायात पुलिस चौकियों और आरटीओ कार्यालयों सहित आवश्यक स्थानों पर पास उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। यह पास वापसी के दौरान भी मान्य रहेगा।

मनोज जरांगे बोले- 'सरकार को घुटनों पर लाएंगे', मराठा समाज के लोगों से की आत्महत्या न करने की अपील

मुंबई। मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने चेतावनी दी है कि मराठा समाज मुंबई आने के लिए तैयार है। हम सरकार को घुटनों पर लाएंगे। मराठा समाज पीछे नहीं हटेगा। इसके साथ ही, मनोज जरांगे ने मराठा समाज से अपील करते हुए कहा कि हमें लड़ाई लड़नी है, लेकिन कोई भी आत्महत्या न करे। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलनरत मनोज जरांगे ने कहा कि अगर मराठा समाज के लोग आत्महत्या करते हैं, तो सरकार को उसका कोई दुख नहीं है। सरकार ने मराठों की जान ली है और इसका बदला जरूर लिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं आरक्षण लिए बिना चुप नहीं बैठूंगा। चार दिन देर होगी, लेकिन आरक्षण निश्चित रूप से मिलेगा। आपमें से कोई भी आत्महत्या मत करो, यह हाथ जोड़कर विनती है। सरकार की मराठों के प्रति भूमिका यह है कि सरकार ने मराठों का विनाश करने का तय किया है। ऐसे समय में हम सभी को एकजुट होकर संकट का सामना करना होता है। हताश होकर आत्महत्या नहीं करनी होती। हमें सरकार का सामना करना होता है।

पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन बोले- भाजपा चलाएगी संकल्प सेवा अभियान

'प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा की यात्रा जारी'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने और उनके जन्मदिन के मौके पर भारतीय जनता पार्टी महीने भर का 'सेवा संकल्प' अभियान शुरू करेगी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान देशभर में सेवा और जनकल्याण से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नितिन नवीन ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। अभियान के पहले दिन यानी 17 सितंबर को देशभर में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। इसी दिन शाम 7 बजे

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम भी आयोजित होगा। नवीन ने कहा, 'प्रथम दिन यानी 17 सितंबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी दिन शाम को सात बजे 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम होगा। इस पूरे कार्यक्रम का स्पष्ट उद्देश्य यह दर्शाना है कि पिछले 25 वर्षों में प्रधानमंत्री जी ने निष्ठा के साथ जनसेवा की है।'

'PM के प्रति आभार जताने के लिए जलाएंगे दीप'

नितिन नवीन ने बताया कि लाभार्थी परिवार प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताने के लिए दीप जलाएंगे। इसे 'जन आशीर्वाद' के सामूहिक प्रदर्शन के तौर पर आयोजित किया जाएगा। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा, 'हम जन आशीर्वाद सामूहिक प्रदर्शन के रूप में प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। प्रत्येक लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रधानमंत्री जी को आशीर्वाद देने के रूप में ये दीप जलाए जाएंगे।' बीजेपी के मुताबिक, पूरे अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में हुए बदलावों और उनकी जनसेवा को लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

केंद्र सरकार की उपलब्धियों को रखेंगे सामने

पार्टी का कहना है कि अभियान के जरिए केंद्र सरकार की योजनाओं और उनके लाभार्थियों की उपलब्धियों को भी सामने रखा जाएगा। नितिन नवीन ने कहा कि बीजेपी मोदी की जनसेवा का संदेश हर व्यक्ति तक पहुंचाएगी। उन्होंने महिला सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री ने महिला नेतृत्व संबंधी विकास की बात की, और उनके नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से जिस सफर की शुरुआत हुई, वह आज लखपति दीदी तक पहुंचा है। नारीशक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से देश की महिलाओं को उनका अधिकार देने और नीति निर्धारण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का हमारा प्रयास लगातार जारी है।'

युवाओं की उपलब्धियों का भी होगा जिक्र

बीजेपी अध्यक्ष ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक उपलब्धियों को भी अभियान का हिस्सा बताया। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ परिवारों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। नवीन ने कहा, 'जब उन्होंने देश का नेतृत्व संभाला, तो उस समय देश में निराशा और अंधकार का माहौल था। हमारी अर्थव्यवस्था को 'फ्रेजाइल फाइव' (पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) में गिना जाता था, लेकिन आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में सामने है। स्टार्टअप और यूनिकॉर्न के माध्यम से भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेशन बना है।' नितिन नवीन ने कहा कि हमारे युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि आज 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' के माध्यम से भारत का युवा हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व कर रहा है। बता दें कि पीएम मोदी के जन्मदिन पर छत्तीसगढ़ में भी खास आयोजन किया जाएगा जिसके तहत कुल 36 लाख दिये जलाए जाएंगे।

सत्य निकेतन हादसा : पीजी ऑपरेटर समेत अब तक पांच गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के मामले में दिल्ली पुलिस ने बुधवार को इस बात की पुष्टि की कि पीजी ऑपरेटर सुधांशु को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, पुलिस रिमांड के दौरान महेश ने बताया कि उसने बिल्डिंग को अगस्त 2025 से दो बिजनेस पार्टनर शुभम त्यागी और सुधांशु को लीज पर दिया था। इसके बाद ही पुलिस उसकी तलाश में जुट गई थी। इससे पहले पुलिस ने पूछताछ में भवन के मालिक हरिराम बंसल के बेटे महेश बंसल ने पुलिस पूछताछ में खुलासा किया कि उन्होंने अगस्त 2025 से भवन को दो व्यापारिक साझेदारों शुभम त्यागी और सुधांशु को पट्टे पर दिया था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शुभम त्यागी और सुधांशु किराए पर ली गई संपत्ति को 'हॉस्टल डेज' नाम से पीजी (पेइंग गेस्ट अकोमोडेशन) के रूप में चला रहे थे। वहीं, दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के मामले में गिरफ्तार मकान मालिक के बेटे महेश को बुधवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया जाएगा। महेश की पुलिस कस्टडी बुधवार को खत्म हो रही है। कोर्ट ने सोमवार को महेश को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा था। वहीं, उर्मिला और हरिराम को मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पूछताछ में महेश ने बताया कि वह अपने माता-पिता (उर्मिला और हरिराम) की ओर से इमारत के रखरखाव का काम देखता था।

भारत-जापान का 'वीर गार्जियन' अभ्यास, जोधपुर में गरजेंगे एफ-2 लड़ाकू विमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन 2026 बुधवार से जोधपुर में शुरू हो गया। 9 सितंबर से प्रारंभ हुआ यह अभ्यास 22 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभ्यास का उद्देश्य भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

जापान के एफ-2 लड़ाकू विमानों की भागीदारी इस अभ्यास में देखने को मिलेगी। जापानी एफ-2 लड़ाकू विमानों को मौजूदगी भी इस अभियान को खास बनाती है। दोनों देशों के वायु योद्धा यहां एक-दूसरे के ऑपरेशनल तौर-तरीकों को समझने के साथ-साथ संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर समन्वय विकसित करेंगे। यह 'वीर गार्जियन का दूसरा संस्करण है। अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए जापानी वायुसेना की टुकड़ी पहले ही जोधपुर

पहुंच गई है।

जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के दो सी-2 परिवहन विमान जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर उतरे थे। इनके पहुंचने के साथ ही जापानी दल ने अभ्यास में अपनी भागीदारी शुरू कर दी है। वायुसेना के मुताबिक, 'वीर गार्जियन 2026 के दौरान दोनों देशों की वायु सेनाएं विभिन्न हवाई अभियानों और ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों वायु सेनाओं के बीच ऑपरेशनल तालमेल, युद्धक क्षमताओं और आपसी समझ को बेहतर बनाना है।

जोधपुर का आसमान आने वाले दिनों में भारत और जापान के अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की गतिविधियों का गवाह बनेगा। जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के एफ-2 लड़ाकू विमान भी इस अभ्यास में हिस्सा लेंगे। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान इनके साथ संयुक्त हवाई अभियानों का अभ्यास करेंगे।

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तीखा हमला, बोले-अहीर और जहीर आपको निपटा देंगे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा और तीखा सियासी हमला बोला है। राजभर ने प्रदेश में हालिया आपराधिक घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि अखिलेश यादव अपने 'अहीर' और 'जहीर' को नियंत्रित करें, नहीं तो 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी 27 सीटें भी नहीं जीत पाएगी।

मंत्री राजभर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि अखिलेश भाई अपने 'अहीर' और 'जहीर' को कंट्रोल कीजिए महाराज। ये बहुत अति मचाये हुए हैं। समाज का तो अहित कर ही रहे

हैं, आपको भी ये निपटा देंगे। उन्होंने कहा कि अभी कल की ही घटना देख लीजिए। झांसी में आपका 'अहीर', जो कि सरकारी मास्टर है, उसने एक व्यापारी, जो कि बनिया समाज से आते हैं, उनका अपहरण कर लिया।

बिहार बाढ़ से 55 लाख लोग प्रभावित, पप्पू यादव बोले- पटना में हाहाकार, जिंदगी बेहाल

पटना, एजेंसी। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने बिहार में बढ़ते बाढ़ संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर आई बाढ़ के कारण 22 ज़िलों में लगभग 55 लाख लोग भारी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। यादव ने बताया कि इस बाढ़ का असर हर आर्थिक वर्ग पर पड़ा है, जिसमें निम्न-मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग और गरीब लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ का दायरा बक्सर से मनिहारी तक फैला हुआ है और भागलपुर, पटना, बेगूसराय और मुंगेर के कुछ हिस्से भी आंशिक रूप से जलमग्न हो गए हैं। उन्होंने पटना के हालात को बहुत गंभीर बताया और कहा कि शहर में सिर्फ़ चार-पांच किलोमीटर का ऊँचा इलाका ही दिखाई दे रहा है। यादव ने अलग-अलग घाटों पर लोगों की

परेशानी का ज़िक्र करते हुए कहा कि वहाँ महिलाएँ ज़मीन पर सो रही हैं और जानवर बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आप किसी भी घाट पर चले जाएँ, आपको महिलाएँ ज़मीन पर सोती हुई मिलेंगी, जानवर पानी में हैं और चारा भी गीला हो गया है। उन्होंने बेघर हुए लोगों और बाढ़ वाले इलाकों में फँसे लोगों की मुश्किलों पर ज़ोर दिया। यादव ने प्रभावित लोगों को सप्लाई किए जा रहे पीने के पानी की क्वालिटी पर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि टैंकरों से जो पानी भेजा जा रहा है, वह इतना खराब है कि नेता खुद उसे नहीं पिएँगे। उन्होंने यह भी कहा कि ज़रूरी चीज़ों की सप्लाई भी खराब हो रही है; बच्चों को दूध नहीं मिल रहा है और दवाइयाँ भी उपलब्ध नहीं हैं, जबकि कुछ जगहों पर बिजली पूरी तरह से गुल है। उन्होंने कहा कि टैंकर का पानी इतना खराब है कि कोई भी नेता इसे नहीं पिएगा।

राहुल के जनता दरबार में उमड़ी भीड़, लोगों की सुनी समस्याएं, सपा कार्यकर्ताओं ने भी की मुलाकात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

रायबरेली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के अंतिम दिन बुधवार को भुएमऊ गेस्ट हाउस में आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। सुबह करीब नौ बजे शुरू हुए जनता दरबार में राहुल गांधी ने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। गेस्ट हाउस के बाहर लोगों की लंबी कतार नजर आई, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के तहत एक-एक व्यक्ति को अंदर प्रवेश दिया गया।

जनता दरबार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अलावा आम लोगों और विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने राहुल गांधी से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस

दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दे उनके सामने रखे। इससे रायबरेली में कांग्रेस और सपा के बीच राजनीतिक समन्वय की तस्वीर भी सामने आई।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव अखिलेश माही ने राहुल गांधी से मुलाकात कर वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए रायबरेली के राजेंद्र यादव के नाम पर स्मारक और चौराहा बनवाने की मांग की। माही ने कहा कि राजेंद्र यादव देश की सेवा करते हुए शहीद हुए थे, लेकिन अब तक रायबरेली में उनके नाम पर न तो प्रतिमा स्थापित हुई और न ही स्मारक बनाया गया।

अखिलेश माही के मुताबिक, उन्होंने राहुल गांधी से शहीद के सम्मान में स्मारक और चौराहा बनवाने का आग्रह किया, जिस पर राहुल गांधी ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बड़े नेता हैं और उनके सहयोग से इस बार भाजपा को कड़ी चुनौती दी जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। जनता दरबार में महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की। रायबरेली महिला कांग्रेस की अध्यक्ष लक्ष्मी सिन्हा ने राहुल गांधी को राखी बांधी और तिलक लगाया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2029 में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया है।

उन्होंने राहुल गांधी से कहा कि लक्ष्य के लिए अब थोड़ी और मेहनत की जरूरत है और कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जुटे हैं।

'आपकी हिम्मत कैसे हुई', सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर ग्रेटर नोएडा मजिस्ट्रेट ने भेजा छात्र को नोटिस, सीजेआई सूर्यकांत भड़के

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रोटेस्ट में हिस्सा लेने वाले दूसरे साल के लॉ स्टूडेंट को शांति बनाए रखने का नोटिस भेजा था। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए ग्रेटर नोएडा मजिस्ट्रेट को फटकार लगाई है। हालांकि ग्रेटर नोएडा मजिस्ट्रेट ने नोटिस वापस ले लिया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है, क्योंकि 1 सितंबर के देशव्यापी निर्देश में छात्रों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई गई थी। मजिस्ट्रेट की कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए CJI ने कहा, 'कोई मजिस्ट्रेट नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे कर सकता है? हमने

साफ कर दिया था कि किसी भी छात्र के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। कोई भी मजिस्ट्रेट उस आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकता।' सुप्रीम कोर्ट ने आज बुधवार, 9 सितंबर को ग्रेटर नोएडा के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने CJP प्रोसेस्ट में शामिल होने के लिए प्रचार करने वाले एक छात्र के खिलाफ 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' की धारा 130 के तहत जारी नोटिस पर सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने यह नोटिस कैसे जारी किया, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी FIR को रद कर दिया था और CJP विरोध प्रदर्शनों को लेकर किसी भी छात्र के खिलाफ भविष्य में कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी। यह मामला सीनियर एडवोकेट विश्वजीत भट्टाचार्य द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के ध्यान में मौखिक रूप से लाया गया।

एडवोकेट विश्वजीत भट्टाचार्य ने कहा, 'नोएडा पुलिस की जानकारी पर ग्रेटर नोएडा के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने दूसरे वर्ष के छात्र को नोटिस जारी किया था, इसे लागू किया जाने वाला था, बाद में प्रेस में खबर आई कि इसे वापस ले लिया गया है। 'वकील ने आगे कहा, 'यह भारत के छात्रों के साथ एक प्रयोग है। यह प्रथम दृष्टया अदालत की अवमानना है। नोएडा और यूपी के अधिकारी छात्रों के मन में डर का माहौल नहीं बना सकते।' जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने पूछा कि अगर नोटिस वापस ले लिया गया है,

'राहुल गांधी कोई वीवीआईपी नहीं', सुप्रीम कोर्ट में दी दलील तो सीजेआई सूर्यकांत बोले- हमारे लिए सब बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई की मांग हुई। इस पर सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमारे सामने सब बराबर हैं। उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे आपराधिक मानहानि मामले के शिकायतकर्ता से कहा कि अगर वह मामले की जल्द सुनवाई चाहते हैं तो उन्हें इसके लिए उचित आवेदन दाखिल करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि उसके लिए सभी पक्ष समान हैं।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी। मोहना की बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि हमारे लिए सब बराबर हैं और शिकायतकर्ता से प्रक्रिया का पालन करने को कहा। शिकायतकर्ता बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के पूर्व डायरेक्टर हैं। सुप्रीम कोर्ट में शिकायतकर्ता की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी कोई वीवीआईपी (VVIP) नहीं हैं और मजिस्ट्रेट की ओर से संज्ञान लेने के खिलाफ राहुल गांधी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील पिछले पांच महीनों से सुनवाई के लिए लिस्ट नहीं की गई है।

क्या है राहुल गांधी से जुड़ा यह मामला

राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला उनके उस बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिक भारतीय सेना के जवानों की पिटाई कर रहे हैं।' यह बयान राहुल गांधी की ओर से लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) पर चीन की हरकतों को लेकर सरकार की आलोचना के तौर पर दिया गया था।

'मैं आपके गांव में गया हूं': पोषण माह के शुभारंभ पर सीएम योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से किया संवाद

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, प्रदेश सरकार में मंत्री बेबी रानी मौर्य इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और विकास का केंद्र बनाना है।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से संवाद किया। उन्होंने गोरखपुर के गांव बसियापुर की कार्यकर्ता से कहा कि वह उनके गांव गए हैं। कार्यकर्ता ने भी मुख्यमंत्री को पहचानने की बात कही।

इस साल के अभियान की थीम ₹हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी₹ रखी गई है। यह थीम समुदाय की भागीदारी पर विशेष जोर देती है। आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण तक सीमित न रखने का संदेश दिया गया। बल्कि उन्हें बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पोषण अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा: मंत्री बेबी रानी मौर्य

उत्तर प्रदेश में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 के तहत पोषण अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने इस अभियान में जन भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा सामाजिक संदेश है, जिसमें समुदाय का सहयोग महत्वपूर्ण है। मंत्री मौर्य ने जोर दिया कि अभियान में सहयोग करने वाले अभिभावकों का भी सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को देश की नींव बताया। उनका कहना था कि यदि भारत को विकसित करना है, तो बच्चों को पोषित करना अनिवार्य है। बच्चों के पोषण की बड़ी जिम्मेदारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर है। सरकार मातृवंदन योजना के तहत स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है। अभियान का लक्ष्य आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण तक सीमित न रखकर बच्चों के समग्र विकास का केंद्र बनाना है।

काशी से पोषण माह का शुभारंभ : केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और सीएम योगी समेत कई दिग्गजों का जमावड़ा

आंगनबाड़ी केंद्रों को सिर्फ पोषण वितरण का केंद्र नहीं बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और विकास में समुदाय की भागीदारी का केंद्र बनाने की दिशा में बुधवार को वाराणसी से बड़ा संदेश दिया जा रहा है। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नौवें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का शुभारंभ करने के लिए पहुंचे। केंद्र और प्रदेश सरकार के मंत्री कार्यक्रम में मौजूद हुए। इनमें केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, प्रदेश सरकार में मंत्री बेबी रानी मौर्य शामिल हैं। इस साल अभियान की थीम हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी रखी गई है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद भी करेंगी। कार्यक्रम के दौरान पीएमएमवीवाई के दस वर्ष और पोषण माह से जुड़ी फिल्में प्रदर्शित कर अभियान की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। इस वर्ष अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) के मेन्यू बोर्ड अनिवार्य किए गए हैं। पहली बार गर्म और पके भोजन को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। गर्म पके भोजन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मोटे अनाज, दाल और मौसमी सब्जियों पर आधारित साप्ताहिक मेन्यू रोटेशन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। आंगनबाड़ी प्रबंधन समितियों के गठन और संचालन के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। हर आंगनबाड़ी केंद्र पर पोषण माह के दौरान कम से कम एक आंगनबाड़ी प्रबंधन समिति की बैठक होगी। इसमें सेवा वितरण की समीक्षा और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने पर चर्चा होगी। अभिभावकों, स्वयं सहायता समूहों और आंगनबाड़ी प्रबंधन समितियों को भोजन चखाने के कार्यक्रमों से भी जोड़ा जाएगा।

मां अन्नपूर्णा की धरती से पूरे देश को पोषण का संदेश: सावित्री ठाकुर

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि मां अन्नपूर्णा की धरती से हम पूरे देश को पोषण का संदेश दे रहे हैं। एक बच्चे के जीवन में शुरू के दो वर्ष का समय बहुत जरूरी होता है। इस दौरान अच्छा पोषण मिलना बहुत आवश्यक है। इस पूरी यात्रा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हैं और वह अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मातृ वंदना योजना के माध्यम से हम महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल कर रहे हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान ने समाज की सोच को बदला है।

29 ग्राम पंचायतों का सवाल हमारा प्रशासन कौन?

सुल्तानपुर में तहसील खंड, अमेठी में लोकसभा-विधानसभा

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सरकारी नक्शे पर खिंची एक लकीर कभी-कभी इतनी लंबी हो जाती है कि उसे पार करते-करते आम आदमी की समस्या ही छोटी पड़ जाए। हलियापुर क्षेत्र की 29 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण वर्षों से कुछ ऐसी ही प्रशासनिक और राजनीतिक उलझन झेल रहे हैं।

कागजों में गांव सुल्तानपुर जिले में हैं। तहसील और विकासखंड बल्दीराय है, लेकिन लोकसभा क्षेत्र अमेठी और विधानसभा क्षेत्र जगदीशपुर। यानी गांव सुल्तानपुर में, प्रशासन सुल्तानपुर में और राजनीतिक प्रतिनिधित्व अमेठी में। अब ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर हमारा प्रशासन कौन और हमारी राजनीतिक आवाज किसकी? स्थानीय समाजसेवी धनंजय सिंह, इंद्र बहादुर सिंह और प्रभात सिंह का कहना है कि वर्षों से चली आ रही इस सीमा-विसंगति का असर सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व और विकास कार्यों से जुड़े मामलों में दिखाई देता है। ग्रामीणों की परेशानी का आलम यह है कि समस्या लेकर जाएं तो पहले यह तय करना पड़ता है कि समस्या सुल्तानपुर की है या अमेठी की! अधिकारी एक जिले के, जनप्रतिनिधि दूसरे क्षेत्र के और जनता बीच में। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जवाबदेही की लकीर आखिर कहां खिंची है?

हमारा गांव किसके भरोसे?

वेद प्रताप सिंह, रणविजय सिंह, अखण्ड प्रताप सिंह उर्फ गब्बर सिंह, नीरज तिवारी, जवाहर यादव, जिला पंचायत सदस्य नरेशचंद्र उपाध्याय, रमाशंकर शुक्ल और डॉ. अजय पासवान समेत क्षेत्र के अन्य लोगों ने इस मुद्दे को लेकर सामूहिक रूप से आगे की रणनीति बनाने की बात कही है। ग्रामीणों का तंज है कि चुनाव के समय गांव सबको अपना दिखाई देता है, लेकिन समस्या आने पर वही गांव सीमा के उस पार खड़ा नजर आता है। आखिर जनता किसे अपना दरवाजा समझे?

मामला अब हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं तक

सीमा संबंधी इस समस्या को लेकर क्षेत्रीय समाजसेवियों ने लखनऊ हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से भी चर्चा की है। संवैधानिक, प्रशासनिक और परिसीमन से जुड़े पहलुओं को समझने के बाद आगे की रणनीति तय किए जाने की बात कही गई है। हालांकि 29 ग्राम पंचायतों को किस लोकसभा या विधानसभा क्षेत्र में रखा जाए, इसका अंतिम निर्णय निर्धारित कानूनी एवं संवैधानिक प्रक्रिया के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा ही किया जा सकता है।

सुल्तानपुर लोकसभा में वापसी की मांग तेज

इसी बीच 29 ग्राम पंचायतों को पुनः सुल्तानपुर लोकसभा क्षेत्र से जोड़ने की मांग जोर पकड़ रही है। समर्थकों का कहना है कि यह किसी दल के पक्ष या विपक्ष का मामला नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुविधा, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और विकास कार्यों की बेहतर निगरानी से जुड़ा जनसरोकार है। विपिन सिंह का कहना है कि प्रशासनिक सीमाओं और राजनीतिक क्षेत्रों के बीच बेहतर सामंजस्य होने से आम जनता की शिकायतों के निस्तारण और विकास कार्यों की निगरानी में आसानी होगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सीमांकन का मकसद शासन और प्रशासन को जनता के करीब पहुंचाना है। लेकिन जब एक ग्रामीण को अपनी समस्या के लिए यह सोचने में ही समय लग जाए कि साहब सुल्तानपुर में मिलेंगे या अमेठी में?, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह मामला महज नक्शे पर खिंची सीमा का नहीं, बल्कि जवाबदेही की स्पष्टता का है।

संघर्ष, सरोकार और निर्भीक पत्रकारिता की मिसाल थे लाला जगत नारायण: नीरज तिवारी

सुल्तानपुर। प्रेस क्लब सुल्तानपुर में बुधवार को निर्भीक पत्रकारिता के पुरोधा एवं प्रखर समाजसेवी लाला जगत नारायण जी की 45वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने लाला जगत नारायण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा में नीरज तिवारी, रामानंद, ललित शुक्ला, कृतेश और शरद ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने लाला जगत नारायण के संघर्षपूर्ण जीवन, जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता तथा उनकी निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि लाला जगत नारायण ने पत्रकारिता को केवल समाचारों तक सीमित न रखते हुए उसे आमजन की आवाज बनाने का काम किया।

तालाब में डूबने से युवती की मौत, शौच के लिए निकली थी, पैर फिसलने से गिरी और गहरे पानी में चली गई

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में घर से शौच के लिए निकली युवती की तालाब में डूबने से मौत हो गई। उसका शव घर से करीब 100 मीटर दूर तालाब में उतराता मिला। घटना से परिवार में चीख पुकार मची हुई है।

घटना रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के हथौधा गांव की है। गांव निवासी विनीता (23) की तालाब में डूबने से मौत हुई है। बताया गया कि वह शौच के लिए घर से निकली थी। पैर फिसलने से तालाब में गिर गई। वह गहरे पानी में चली गई।

आसपास कोई मौजूद न होने से उसे समय पर मदद नहीं मिल सकी। जब तक लोगों को पता चला तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। विनीता अपने चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी।

पुलिस को फोन करने के बाद दंपती ने जहर खाकर दी जान, भतीजे से विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अमरोना श्रीकांत का पुरवा में बुधवार भोर दिल दहला देने वाली घटना हो गई। गांव निवासी सुभाष तिवारी (50) और उनकी पत्नी सपना तिवारी (45) ने भतीजे से विवाद के बाद जहर खा लिया। खबर मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां, डाक्टरों ने सुभाष को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में उनकी पत्नी को प्रयागराज रेफर कर दिया गया। एसआरएन अस्पताल में महिला की भी मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

मंगलवार रात भतीजे से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी से आहत होकर दंपती ने सुबह करीब चार बजे यह खौफनाक कदम उठा लिया। जहर खाने से पहले सपना ने फोन कर पुलिस और मायके पक्ष को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

जिला अस्पताल में होगी स्वाइन फ्लू की जांच, पीड़ित महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। जिले में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच की व्यवस्था मजबूत की है। जिला अस्पताल में मंगलवार से एच1एन1 वायरस की जांच के लिए 100 किट मिल गई हैं। अब स्वाइन फ्लू के लक्षण वाले मरीजों के सैंपल जांच के लिए बाहर नहीं भेजने पड़ेंगे। अस्पताल में ही ट्रूनॉट मशीन से जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी।

जिला अस्पताल के एडीएसआईसी डॉ. आरसी दीक्षित ने बताया कि अब तक जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू के संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेकर जांच के लिए बाहर भेजे जाते थे। सैंपल भेजने और रिपोर्ट आने में समय लगने के कारण मरीजों के उपचार में भी देरी की आशंका रहती थी। अब जांच की सुविधा अस्पताल में शुरू होने से रिपोर्ट भी समय पर मिलने के साथ ही मरीज को त्वरित इलाज भी मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि किसी मरीज में लक्षण न मिलने पर मंगलवार को जांच नहीं हो सकी।

अब तक सामने आ चुके हैं नौ मरीज

जिले में अब तक स्वाइन फ्लू के नौ मरीज सामने आ चुके हैं। मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और उपचार व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। जिला अस्पताल के हार्ट वार्ड में स्वाइन फ्लू के मरीजों के इलाज के लिए छह बेड का विशेष वार्ड बनाया गया है। हालांकि, एक भी मरीज जिला अस्पताल न पहुंचने के चलते वार्ड खाली है।

स्वाइन फ्लू पीड़िता की मौत, चार नए संक्रमित मिले

जिले में स्वाइन फ्लू का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। चार सितंबर को अस्पताल में भर्ती महिला की मौत हो गई। मंगलवार को आई निजी लैब की जांच रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही जिले में चार नए मरीज भी स्वाइन फ्लू से ग्रसित मिले है।

इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम (आईडीएसपी) से जारी रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को संक्रमित मिले मरीजों में बिलसंडा माई किरातपुर भमोरा निवासी 11 वर्षीय बच्चा, पुराना शहर निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग, एजाज नगर गौटिया निवासी 59 वर्षीय व्यक्ति और भदपुरा निवासी 67 वर्षीय बुजुर्ग शामिल हैं। सभी की निजी लैब में कराई गई जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

महिला की मौत के बाद विभाग अलर्ट

स्वास्थ्य विभाग की रैपिड रिस्पॉन्स टीम संक्रमितों की निगरानी और उनके संपर्क में आए लोगों को जरूरी दवा देने घर पहुंचेगी। बता दें कि इससे पहले नौ लोग संक्रमित मिल चुके हैं। स्वाइन फ्लू संक्रमित महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम भी अलर्ट हो गई है। बुधवार को शेरगढ़ में मृतक मरीज के घर जाकर मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच कर उन्हें दवाएं देगी।

सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि निजी मेडिकल कॉलेज में महिला का इलाज चल रहा था। वह गंभीर कैंसर रोग से ग्रसित थी। गाइडलाइन के अनुपालन में मरीज की एच-1एन-1 की जांच हुई थी। हालांकि बुधवार को टीम मृतक महिला व अन्य संक्रमितों के घर जाकर सर्विलांस करेगी।

कांग्रेस कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई बाबा रामलाल की जयंती

सुल्तानपुर। अवध किसान आंदोलन के प्रणेता महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबा रामलाल की 158वीं जयंती जिला कांग्रेस कमेटी पर धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर हुई गोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हारून ने बाबा रामलाल के क्रांतिकारी जीवन की कुछ घटनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा रामलाल स्वयं जमींदार परिवार से होकर भी जमींदारी प्रथा के खिलाफ रहे। उन्होंने किसानों का उत्पीड़न रोकने के लिए हर संभव लड़ाई लड़ी यहां तक कि अमेठी में बाबा रामलाल पर 13 बदमाशो ने जानलेवा हमला किया और बाबा ने अकेले उन 13 बदमाशो का मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि बाबा रामलाल जी ने आनन्द भवन में नेहरू जी के सामने सेनानियों को मिलने वाली पेंशन लेने से इनकार कर दिया था आज उनकी जयंती पर नई पीढ़ी को उनसे बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है।

संक्षेप

देवी-देवताओं के भेष में नृत्य व आपत्तिजनक झांकियों पर रोक की मांग

सुल्तानपुर। धार्मिक भावनाओं की मर्यादा एवं आस्था की गरिमा बनाए रखने की मांग को लेकर कटका क्लब सामाजिक संस्था एवं मिशन जारी टीम के संयुक्त तत्वावधान में मुख्यमंत्री के नाम सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन को लिखित ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम की अगुवाई संस्था अध्यक्ष सौरभ मिश्र ने की। इस दौरान सौरभ मिश्र ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में देवी-देवताओं के स्वरूप धारण कर किए जाने वाले नृत्य एवं कुछ आपत्तिजनक झांकियों से समाज के एक वर्ग की धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं। धार्मिक प्रतीकों और देवी-देवताओं के स्वरूप की गरिमा एवं मर्यादा बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को लेकर प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता जताई। मिशन जारी टीम के मनोज कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द को ध्यान में रखते हुए ऐसे आयोजनों पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि धार्मिक आयोजनों में देवी-देवताओं के स्वरूप एवं धार्मिक प्रतीकों की मर्यादा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग की गई कि देवी-देवताओं के भेष में सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले नृत्य एवं आपत्तिजनक प्रदर्शनों पर रोक लगाने के साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों, आयोजकों अथवा संबंधित संस्थाओं के विरुद्ध प्रचलित कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। इसके अलावा सभी जिलाधिकारियों एवं पुलिस प्रशासन को ऐसे आयोजनों की निगरानी करने तथा शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी करने की मांग की गई।

शारदा सहायक खंड-16 में महिला और नवजात का शव मिलने से सनसनी

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली शारदा सहायक खंड-16 नहर में बुधवार सुबह अलग-अलग स्थानों पर एक अज्ञात महिला और नवजात शिशु के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। नहर में दो शव मिलने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह नरसिंहपुर मजरे डीह के पास ग्रामीणों ने नहर में एक महिला का शव बहता देखा। कुछ ही देर बाद बीही निदुरा के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे ओवरब्रिज के नीचे नहर में एक नवजात शिशु का शव दिखाई पड़ा। एक ही नहर में अलग-अलग स्थानों पर महिला और नवजात का शव मिलने से, ग्रामीणों के बीच कई सवाल खड़े हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना बल्दीराय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी महेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार के निर्देशन में पुलिस ने दोनों शवों को नहर से बाहर निकलवाया और जिनकी पहचान मृतका मनीषा पत्नी अखिलेश (25) निवासी बीही निदुरा हुई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिता की मौत, बेटा घायल

सुल्तानपुर। लखनऊ वाराणसी हाईवे पर बाइक सवार पिता पुत्र को अज्ञात वाहन टक्कर मार कर फरार हो गया। दुर्घटना में पिता की मौत हो गई। जबकि बेटे को इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। मामला बंधुआ कला थाना क्षेत्र के सहाबागंज ओवरब्रिज से जुड़ा है।जहां बुधवार दोपहर में बेटे पवन कुमार (22) पुत्र रमेश कुमार के साथ बाइक से सुल्तानपुर की तरफ जा रहे पिता रमेश कुमार (45) पुत्र मंगरू निवासी कैम थाना भाले सुल्तान जनपद अमेठी को अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार पिता की मौके पर मौत हो गई। जबकि बेटे को इलाज के लिए एम्बुलेंस की मदद से जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को देते हुए शव का पंचनामा की कार्यवाही की। थानाध्यक्ष बंधुआ कला प्रमोद कुमार ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। घायल बेटे को हल्की चोट आई है।

आईएमएस बीएचयू: डॉक्टर लहरी की मेडिकल रिपोर्ट पर सवाल, चेहरे पर अब भी दिख रहे चोट के निशान

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के कार्डियोथोरेसिक विभाग के इमेरिटस प्रोफेसर डॉ. टीके लहरी को थप्पड़ मारने की घटना के सामने आने के बाद बीएचयू प्रशासन की मेडिकल रिपोर्ट पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनके चेहरे पर अब भी निशान हैं। आंखों में लाल निशान भी ठीक नहीं हुई है। बयान जारी कर बीएचयू प्रशासन ने डॉ. लहरी को सिनाइल डिमेंशिया, व्यवहार परिवर्तन जैसी मानसिक बीमारियों से ग्रसित बताया है। इस पर सपा नेताओं ने सवाल उठाए हैं। महानगर अध्यक्ष दिलीप डे ने डॉ. लहरी से बांग्ला भाषा में बातचीत कर हाल पूछा। बताया कि जिस तरह से वह बातचीत कर रहे थे, कहीं से किसी तरह मानसिक रूप से ग्रसित नहीं लग रहे थे। इसी तरह की बात आईएमएस के प्रोफेसर ने भी उनसे मुलाकात के बाद कही। रिपोर्ट पर डॉ. लहरी के परिजनों ने भी आपत्ति जताई है। बीएचयू सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के पांचवें तल पर आईसीयू में बेड नंबर 2 पर भर्ती डॉ. टीके लहरी को गाली देने, थप्पड़ मारने का आरोप उन्हीं के विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरविंद पांडेय पर लगाते हुए परिजनों ने इसकी शिकायत बीएचयू प्रशासन से ईमेल से की। अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद यूपी सरकार के राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, महापौर अशोक तिवारी सहित कई जनप्रतिनिधि बीएचयू पहुंचे और डॉ. लहरी के सेहत का हाल जाना। रविंद्र जायसवाल ने चोट के निशान, आंख में लालिमा देख हैरान हो गए तो उन्होंने जांच कमेटी गठित कर दी। दिलीप डे, सूबेदार सिंह सहित अन्य नेताओं का कहना है कि सात विभागों वाली जांच कमेटी बनाई गई है, सभी डॉक्टर बीएचयू के ही हैं, इस वजह से न्यायिक जांच बहुत जरूरी है। उनकी मांग पर आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने कुलपति को पूरी जानकारी देने का आश्वासन दिया।

डॉ. टीके लहरी के इलाज में सात विभागों के डॉक्टरों की टीम लगी है। पहले की तुलना में निगरानी भी बढ़ा दी गई है। हर स्तर पर बेहतर से बेहतर इलाज और देखभाल किया जा रहा है। उनकी आंख में लालीपन और चेहरे के अन्य दाग भी धीरे-धीरे अब खत्म हो रहे हैं। सपा नेताओं ने न्यायिक जांच की मांग की है। इससे कुलपति को अवगत कराया जाएगा।

-प्रो. एसएन संखवार, निदेशक, आईएमएस

छह साल बाद हुई मुलाकात, सब कुछ दिखा सामान्य

दिलीप डे ने बताया कि वह डॉ. लहरी से पहले भी कई बार मिल चुके हैं, जब भी मिलते हैं, बांग्ला में ही बात करते हैं। इस बार छह साल बाद मुलाकात हुई तो डॉ. लहरी ने अपने सेवाकाल से लेकर बाकी कई बिंदुओं पर बातचीत की। बार-बार कहते नजर आए कि जो कुछ हुआ, उसे छोड़िए।

प्रोफेसर ने डॉ. लहरी के साथ गलियारे में लगाया चक्कर

मंगलवार शाम को आईएमएस बीएचयू कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर ओमशंकर भी डॉ. लहरी से मिलने पहुंचे। उन्होंने न केवल बातचीत की बल्कि गलियारे में उनके साथ तीन चक्कर भी लगाए। प्रो. ओमशंकर ने बताया कि बातचीत में सर कहीं से भी अव्यवहारिक नहीं लग रहे थे। उनकी स्मरण शक्ति भी ठीक थी। उन्होंने विश्वविद्यालय में अपनी ज्वाइनिंग से लेकर सेवाकाल तक के दिनों पर बातचीत की।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश और रोजगार को मिलेगी नई गति, छह परियोजनाओं को मंजूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में किसानों और उद्यमियों की आमदनी बढ़ाने के साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत उद्यमियों को दी जा रही सुविधाओं, अनुदान और अन्य प्रावधानों की व्यापक जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हों और प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिले।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानों के कृषि उत्पादों का बेहतर मूल्य दिलाया जा सकता है। इससे किसानों की आय में वृद्धि के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रदेश सरकार इस क्षेत्र को निवेश, रोजगार और मूल्य संवर्धन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए लगातार स्वीकृतियां प्रदान की जा रही हैं। सरकार की नीतियों और सुविधाओं के चलते उत्तर प्रदेश निवेशकों की पसंद बन रहा है। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के माध्यम से उद्यमियों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं और प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विस्तार के साथ स्थानीय किसानों को बाजार उपलब्ध कराना और गांव-गांव तक औद्योगिक गतिविधियों का लाभ पहुंचाना है।खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, दुग्ध प्रसंस्करण, तैयार खाद्य एवं तैयार पकाने योग्य खाद्य पदार्थ, नाश्ता अनाज, नमकीन, बेकरी उत्पाद, अनाज, दाल एवं तिलहन प्रसंस्करण सहित अनेक क्षेत्रों को नीति के दायरे में शामिल किया गया है। इसके अलावा मसाला, सोयाबीन, मशरूम, शहद, कोको उत्पाद, गुड़ आधारित मूल्य संवर्धित उत्पाद, फलों के रस एवं गूदे, कार्बोनेटेड पेय पदार्थ तथा मानव उपयोग के लिए उपयुक्त अन्य खाद्य उत्पादों के साथ मुर्गी और मछली चारा निर्माण इकाइयों को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा निवेश प्रस्तावों के परीक्षण और स्वीकृति की प्रक्रिया को भी गति दी जा रही है। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित अप्रेजल समिति की बैठक खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में हुई। बैठक में कुल छह प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। समिति ने सभी प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श करने के बाद आवश्यक शर्तों एवं निर्देशों के साथ स्वीकृति प्रदान की।स्वीकृत परियोजनाओं में सौर ऊर्जा संयंत्र, चावल मिल, फल गूदा संयंत्र, तैयार खाद्य एवं तैयार पकाने योग्य खाद्य पदार्थ निर्माण इकाइयां, बेकरी और आइसक्रीम उत्पादन इकाइयों सहित विभिन्न खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार मिलने के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।समिति की बैठक में स्वीकृत परियोजनाओं के सफल और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित उद्यमियों को परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। समिति ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं में स्थानीय कृषि एवं दुग्ध उत्पादकों से कच्चे माल की खरीद को प्राथमिकता दी जाए।

संक्षेप

दुबग्गा में 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। थाना दुबग्गा क्षेत्र में एक 22 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही दुबग्गा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान निखिल पुत्र अमरीश गुप्ता, निवासी मोहन विहार कॉलोनी, बेगरिया, थाना दुबग्गा, लखनऊ, उम्र करीब 22 वर्ष के रूप में हुई है। बताया गया कि निखिल ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजन उसे उपचार के लिए एरा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर दुबग्गा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच-पड़ताल की। पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया प्रचलित है।पुलिस के मुताबिक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लोक शांति व्यवस्था के लिए दो अपराधियों को छह माह के लिए जिला बदर किया

लखनऊ। लोक शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), लखनऊ के न्यायालय ने दो आरोपितों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम-1970 की धारा-03 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें छह-छह माह के लिए जिला बदर किया है।पुलिस के अनुसार थाना बंथरा क्षेत्र के ग्राम बंथरा सिकंदरपुर निवासी अमर उर्फ अमन गौतम, उम्र करीब 24 वर्ष, पुत्र कल्लू गौतम को छह माह की अवधि के लिए जिला बदर किया गया है। उसके विरुद्ध लोक शांति व्यवस्था प्रभावित करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत न्यायालय में कार्रवाई की गई थी।इसी क्रम में थाना हुसैनगंज क्षेत्र के रामलीला मैदान, पुराना किला निवासी युसूफ, उम्र करीब 25 वर्ष, पुत्र मोहम्मद सलीम को भी छह माह के लिए जिला बदर किया गया है। न्यायालय द्वारा दोनों मामलों में सुनवाई के उपरांत उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम-1970 की धारा-03 के तहत जिला बदर की कार्रवाई के आदेश दिए गए।पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस प्रकार की कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में लोक शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस द्वारा ऐसे व्यक्तियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने के साथ-साथ कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जा रही है।

कूटरचित दस्तावेजों से जमीन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कमिश्नरेट लखनऊ की मोहनलालगंज पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन के बैनामे के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।पुलिस के अनुसार, पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ तरूण गाबा तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) मो0 मुश्ताक के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसन्थ कुमार और सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज राम बाबू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त की तलाश की।

लंबित एफपीओ अनुमोदन और भुगतान को लेकर 600 प्रतिनिधियों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

लखनऊ। आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के करीब 500 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लंबित अनुमोदन तथा सामुदायिक व्यवसाय संगठन (सीबीबीओ) और एफपीओ के लंबित भुगतानों को लेकर प्रदेशभर के किसान उत्पादक संगठनों में असंतोष बढ़ गया है। समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए बुधवार से लखनऊ में करीब 600 एफपीओ प्रतिनिधियों ने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।धरने पर बैठे एफपीओ प्रतिनिधियों का कहना है कि अनुमोदन और भुगतान में हो रही विभागीय एवं तकनीकी देरी का सीधा असर संस्थाओं की गतिविधियों पर पड़ रहा है। इससे एफपीओ के क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और जमीनी स्तर पर संचालित होने वाले कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। प्रतिनिधियों ने कहा कि लंबे समय से लंबित मामलों के कारण संगठनों के सामने आर्थिक और प्रशासनिक कठिनाइयां बढ़ती जा रही हैं।एफपीओ प्रतिनिधियों ने 30 सितंबर के बाद 200 रुपये प्रतिदिन संभावित दंड को लेकर भी गंभीर चिंता जताई है। उनका सवाल है कि यदि अनुमोदन और भुगतान में देरी विभागीय अथवा तकनीकी कारणों से हो रही है तो उसका आर्थिक दंड किसान उत्पादक संगठनों पर क्यों लगाया जाए। प्रतिनिधियों ने इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करते हुए विभागीय विलंब के लिए एफपीओ को जिम्मेदार न ठहराने की मांग की है।धरना दे रहे प्रतिनिधियों ने सभी लंबित एफपीओ के अनुमोदन की प्रक्रिया तत्काल पूरी करने की मांग की है।

खाटू श्याम मंदिर परिसर में भव्य भजन संध्या आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय सनातन संघ द्वारा राजधानी लखनऊ के न्यू हैदराबाद, निशातगंज स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर परिसर में भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम 'एक शाम खाटू श्याम बाबा के नाम' का विशाल आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सनातन संघ के अध्यक्ष दिनेश चन्द्र खरे के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य भजन संध्या में भक्ति, श्रद्धा, प्रेम और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को शाम पांच बजे से खाटू श्याम मंदिर प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर खाटू श्याम बाबा एवं भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की और भक्तिमय वातावरण में आयोजित सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायकों एवं कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक मनमोहक और भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही मथुरा-वृंदावन के आकाशवाणी, दूरदर्शन, सूचना विभाग एवं संस्कृति विभाग से जुड़े ख्यातिप्राप्त कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कलाकारों की मधुर एवं मनोहारी प्रस्तुतियों से संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो उठा। भजन संध्या के दौरान श्याम बाबा के भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते और नृत्य करते नजर आए। पूरा मंदिर परिसर 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' के जयकारों तथा भगवान श्रीकृष्ण एवं खाटू श्याम बाबा के उद्घोष से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की अपार आस्था और उत्साह ने कार्यक्रम को अत्यंत भव्य एवं अविस्मरणीय बना दिया।

कार्यक्रम के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों एवं सनातन संस्कृति की गौरवशाली परम्पराओं को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। भक्ति संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत, धार्मिक मूल्यों, सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम एवं भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश भी प्रसारित किया गया। राष्ट्रीय सनातन संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे पावन पर्व हमारी सनातन संस्कृति और धार्मिक परम्पराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक चेतना और भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सनातन संस्कृति, भक्ति भावना, धार्मिक मूल्यों एवं जन-कल्याण के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित करना है। राष्ट्रीय सनातन संघ के अध्यक्ष दिनेश चन्द्र खरे ने इस अवसर पर कहा कि संस्था निरंतर सनातन संस्कृति, भारतीय परम्पराओं एवं सामाजिक मूल्यों के संरक्षण और सवंर्धन के लिए विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित 'एक शाम खाटू श्याम बाबा के नाम' कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, सनातन परम्पराओं एवं धार्मिक मूल्यों से जोड़ना तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और समरसता का संदेश देना है।

24 अक्टूबर से निकलेगी चाणक्य रथ यात्रा, पटना से दिल्ली तक गूंजेगा सामाजिक जागरण का संदेश

लखनऊ। अखिल भारतीय संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में अखिल भारतीय चाणक्य परिषद की ओर से 24 अक्टूबर से चाणक्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का शुभारंभ आचार्य चाणक्य की जन्मभूमि पाटलिपुत्र, पटना से सुबह नौ बजे होगा। विभिन्न जिलों से होते हुए यात्रा 2 नवंबर को दिल्ली पहुंचेगी, जहां संसद घेराव के कार्यक्रम के साथ इसका समापन होगा।

परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पंडित कृपानिधान तिवारी ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य समाज में जन-जागरण, लोगों को अपने अस्तित्व के प्रति जागरूक करना तथा वर्तमान व्यवस्था की विसंगतियों के प्रति सचेत करना है। यात्रा पटना, दानापुर, बिहटा, आरा, जगदीशपुर, दिनारा, कोचस, मोहनिया, सैयदराजा, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, अयोध्याधाम, बाराबंकी, लखनऊ, कानपुर, औरैया, इटावा, आगरा, मथुरा, पलवल और फरीदाबाद होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। यात्रा के प्रमुख मुद्दों में आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने, योग्यता आधारित पदों पर आरक्षण समाप्त करने, सवर्ण आयोग का गठन, समान नागरिक संहिता लागू करने, भगवान परशुराम के प्राकट्य दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने, अयोध्या में भगवान परशुराम मंदिर निर्माण तथा यूजीसी जैसे कानूनों को वापस लेने की मांग शामिल है। इसी क्रम में बुधवार को लखनऊ स्थित विकास दीप बिल्डिंग के प्रथम तल के एस-8 व एस-9 में अखिल भारतीय चाणक्य परिषद उत्तर प्रदेश की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश संरक्षक आचार्य पंडित श्रीकृष्ण चंद्र शुक्ला ने की, जबकि संचालन प्रदेश संयोजक तेज प्रताप द्विवेदी ने किया। बैठक में राष्ट्रीय संरक्षक पंडित कृपानिधान तिवारी की मौजूदगी में संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक का शुभारंभ पंडित दुर्गेश कुमार त्रिपाठी के मंगलाचरण से हुआ। इसके बाद परिचय कार्यक्रम हुआ। पंडित रविशंकर मिश्र ने पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई। इस दौरान कमलाकांत शर्मा ने प्रस्ताव रखा कि कार्यवाही में अध्यक्ष के रूप में पंडित जवाहर लाल शर्मा, आदर्श ब्राह्मण सभा लखनऊ का नाम अंकित किया जाए।

अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए, तभी आकाश की वापसी पर विचार हो सकता है : मायावती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के बीच बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने अपने संगठन और मिशन को लेकर बड़ा संदेश दिया है। पार्टी की ओर से जारी बयान में पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ पर निशाना साधते हुए कहा गया है कि उन्हें अभी भी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा छोड़कर राजनीति से पूरी तरह संन्यास लेने का मौका है। बसपा के मुताबिक, ऐसा होने पर उनके दामाद आकाश आनंद के लिए पार्टी में स्वतंत्र रूप से काम करना संभव होगा और उनकी जिम्मेदारियां वापस देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जा सकता है।

बसपा ने आरोप लगाया कि अशोक सिद्धार्थ को पार्टी ने सुधार का एक नहीं, कई बार मौका दिया, लेकिन उन्होंने बहुजन मिशन से अधिक निजी और पारिवारिक स्वार्थ तथा महत्वाकांक्षा को महत्व दिया। पार्टी का कहना है कि इसका खामियाजा अशोक सिद्धार्थ के साथ उनके दामाद आकाश आनंद को भी भुगतना पड़ा है।

बयान में कहा गया कि अशोक सिद्धार्थ ने अपने निजी स्वार्थ में आकाश आनंद और बसपा मूवमेंट की भी पर्याप्त परवाह नहीं की। पार्टी के मुताबिक, उनसे दूसरों की तुलना में अधिक त्याग, तपस्या और कुर्बानी की अपेक्षा थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

चुनावी राज्यों पर बसपा का फोकस

मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में विधानसभा चुनाव बहुत नजदीक हैं। पार्टी के अनुसार ये तीनों राज्य बहुजन समाज और बहुजन मूवमेंट के लिए विशेष महत्व रखते हैं। पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी, समर्थक और शुभचिंतक इन राज्यों में सत्ता प्राप्ति के लिए पूरी ताकत से जुटे हैं।

मौजूदा समय में पार्टी और बहुजन समाज को विरोधी दलों और जातिवादी तत्वों से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सर्वसमाज के लोगों से सहयोग की अपील करते हुए दलित समाज समेत बहुजन समाज के सभी वर्गों से निजी या पारिवारिक स्वार्थ में ऐसा कोई कदम नहीं उठाने को कहा, जिससे आंदोलन के हित प्रभावित हों।

अनुशासन को लेकर सख्त रुख

मायावती ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व संगठन में भूले-भटके लोगों को उनके आचार-व्यवहार को ध्यान में रखते हुए शामिल कर रहा है। वहीं, पार्टी की राह में बाधा बनने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। बयान में अशोक सिद्धार्थ को इसका चर्चित उदाहरण बताया गया है।

आकाश आनंद की जिम्मेदारियों पर भी संकेत

मायावती ने आकाश आनंद की भविष्य की भूमिका को भी अशोक सिद्धार्थ के फैसले से जोड़ते हुए संकेत दिया है। यदि अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास लेकर निजी स्वार्थ और राजनीतिक महत्वाकांक्षा से ऊपर उठते हैं तो आकाश आनंद के लिए पार्टी में स्वतंत्र रूप से काम करना संभव होगा। ऐसी स्थिति में पार्टी आकाश आनंद को उनकी जिम्मेदारियां वापस देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर सकती है, ताकि वह संगठन में फिर सक्रिय भूमिका निभा सकें।

नेशनल टी.बी. टास्क फोर्स के उपाध्यक्ष बने डॉ. सूर्यकान्त

डॉ. सूर्यकान्त को प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान की मिली राष्ट्रीय जिम्मेदारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत गठित नेशनल टास्क फोर्स (एन.टी.एफ) का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नेशनल टास्क फोर्स का उद्देश्य देश के मेडिकल कॉलेजों में टीबी उन्मूलन संबंधी गतिविधियों को मजबूत करना तथा राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

डॉ. सूर्यकान्त ने कहा कि "टीबी मुक्त भारत का संकल्प केवल टीबी से पीड़ित व्यक्ति और उसके परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। 'प्रधान से प्रधानमंत्री' तक प्रत्येक व्यक्ति को टीबी के खिलाफ इस जन-अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।" उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों को टीबी की शीघ्र पहचान, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार, दवा-प्रतिरोधी टीबी की बेहतर देखभाल, नवीन शोध तथा जन-जागरूकता के केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त किया जाना आवश्यक है।

डॉ. सूर्यकान्त ने बताया कि उनकी प्राथमिकता देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों, सेंट्रल टीबी डिवीजन (सी.टी.डी), जोनल टास्क फोर्स (जेड.टी.एफ), स्टेट टास्क फोर्स (एस.टी.एफ) तथा मेडिकल कॉलेज कोर कमेटियों के साथ समन्वय स्थापित कर टीबी उन्मूलन की गतिविधियों को गति प्रदान करना रहेगी।

कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने डॉ. सूर्यकान्त को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि डॉ. सूर्यकान्त की यह नियुक्ति न केवल किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के चिकित्सा समुदाय के लिए भी गौरव का विषय है।

ज्ञात रहे कि हाल ही में गंभीर टीबी मरीजों के बेहतर उपचार के लिए "टीबी कमिटेड आईसीयू" हेतु स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.) एवं गाइडलाइन तैयार करने के लिए गठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति के चेयरमैन बनाए गए हैं। इसके साथ ही वे टीबी से संबंधित कई चिकित्सकीय, शोध एवं सामाजिक समितियों के अध्यक्ष, सदस्य व सलाहकार भी हैं। डॉ. सूर्यकान्त अब तक 25 पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें 4 पुस्तकें टीबी रोग पर आधारित हैं। नई शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा विमोचित 100 हिंदी पुस्तकों में डॉ. सूर्यकान्त की दो पुस्तकें शामिल थीं, जिनमें से एक पुस्तक टीबी पर लिखी गई है। आईसीएमआर द्वारा देशभर में जटिल टीबी के नए उपचार हेतु संचालित बीपाल प्रोजेक्ट के केजीएमयू के मुख्य पर्यवेक्षक भी रह चुके हैं। बीपाल प्रोजेक्ट की सफलता के बाद ही एमडीआर-टीबी के नए उपचार में नई दवाओं को शुरू किया गया है।

ज्ञात रहे कि डॉ. सूर्यकान्त टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम से प्रारम्भ से ही सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं और इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। वे उत्तर प्रदेश टी.बी. स्टेट टास्क फोर्स के लगभग 10 वर्षों तक तथा पिछले 4 वर्षों से नॉर्थ जोन (उत्तर भारत के 9 राज्यों) के चेयरमैन के रूप में टी.बी. उन्मूलन संबंधी गतिविधियों का नेतृत्व करते रहे हैं। इसके साथ ही वे रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी केयर के संस्थापक प्रभारी हैं, जिसके तहत टीबी मरीजों को उत्कृष्ट उपचार प्रदान किया जाता है। हाल ही में डॉ. सूर्यकान्त को ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित होने वाले 81वें नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्यूबरकुलोसिस एंड चेस्ट डिजीज (नेटकॉन 2026) का प्रेसिडेन्ट नामित किया गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस अक्टूबर 2026 में पंजाब के पटियाला में आयोजित की जाएगी तथा वे स्टैंडिंग टेक्निकल कमिटी ऑफ़ टीबी एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन भी है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत योजना के अंतर्गत डॉ. सूर्यकान्त टीबी नियंत्रण एवं उन्मूलन के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में अब तक 500 से अधिक टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके उपचार, पोषण एवं देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही वर्ष 2019 से ग्राम पंचायतों एवं स्लम क्षेत्रों को गोद लेकर वहाँ टीबी उन्मूलन की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

एडेड स्कूलों के 811 तदर्थ शिक्षकों के लिए गुड न्यूज, वर्षों से अटकी सैलरी मिलने का रास्ता साफ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक स्कूलों में वर्षों से पढ़ा रहे वेतन न पाने वाले 811 तदर्थ शिक्षकों को भी जल्द वेतन दिया जाएगा। इसकी कानूनी अड़चनें दूर होंगी। सरकार इसके लिए नीति बनाएगी। कुल 1111 तदर्थ शिक्षकों में से अभी 300 शिक्षकों को वेतन दिया जा रहा है। अब शेष शिक्षकों को भी मिलेगा।

विधान परिषद में बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा से संबंधित मुद्दों को लेकर नेता सदन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में मंगलवार को समिति की बैठक हुई। इसमें विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह व उमेश द्विवेदी ने यह मामला उठाया। शिक्षिका ईशा सिंह के प्रकरण पर कोर्ट के आदेश के बाद करीब 300 शिक्षकों को वेतन दिया जा रहा है।

एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एडहॉक व्यवस्था खत्म करने को लेकर दिए गए आदेश के बाद इन तदर्थ शिक्षकों को बाहर किया गया। पूर्व में दिए गए आदेश में वर्ष 2021 तक नियमित शिक्षकों की व्यवस्था करनी थी। फिलहाल 300 शिक्षकों को वेतन दिया जा रहा है और बाकी 811 शिक्षकों से काम लिए जाने के बावजूद वेतन नहीं दिया जा रहा। ऐसे में सरकार इन्हें लेकर नीति बनाए। बैठक में निर्देश दिए गए कि जल्द नीति बनाई जाए और बचे शिक्षकों को वेतन देने की तैयारी की जाए। वहीं साल 2024 में नियुक्त विशिष्ट बीटीसी शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने, शिक्षामित्र से शिक्षक बनने वालों की पुरानी सेवा जोड़कर उन्हें भी पुरानी पेंशन का लाभ देने, 2000 के बाद नियमित शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने पर भी चर्चा की गई।

सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? नएस्थान तलाशें

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है।

ब्रिक्स 2026: भारत की कूटनीतिक क्षमताओं को चुनौती देता

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है।

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

2026 में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है। ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48% आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39% हिस्सा थे। भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी' है। कमज़ोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ-साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज़ बुलंद करने की इजाज़त देता है, बिना कोल्ड वॉर-स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए। ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं: स्ट्रेटेजिक विस्तार: ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं: ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)। 'पार्टनर देशों' का संस्थागतकरण: मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल 'पार्टनर देश' कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश—बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम—ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना। न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँ: एन डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज़्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज़ पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न-लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज़ पर। इंट्रा-ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथ: मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ-साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मज़बूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज़्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है। 2003 में $84 बिलियन से 2024 में $1.17 ट्रिलियन तक इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड 13 गुना बढ़ गया, जो 13.3 परसेंट की सालाना एवरेज रेट से बढ़ रहा है, जो इसी समय के दौरान 5.7 परसेंट की ग्लोबल ट्रेड ग्रोथ से काफी ज़्यादा है। भारत के लिए अलग-अलग चुनौतियों के बीच ब्रिक्स को आगे ले जाना आसान नहीं होगा। उनमें से कुछ ये हैं: ब्रिक्स कनेक्ट्स को लागू करना: भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता की पहल 'ब्रिक्स कनेक्ट्स' का उद्देश्य सदस्य देशों के नागरिकों को लाभ पहुँचाने को प्राथमिकता देना है। इसके मुख्य फ़ोकस एरिया में डिजिटल पेमेंट और फ़ाइनेंशियल इनक्लूज़न (वित्तीय समावेश) को बढ़ाना, एजुकेशनल डिग्री को आपसी मान्यता देना, सस्ता इंटरनेट और इंसानों पर केंद्रित ए आई, एक नया ब्रिक्स स्टार्टअप नॉलेज हब, और बेहतर ट्रेड कॉरिडोर शामिल हैं, जिनसे लॉजिस्टिक्स की लागत कम हो सकती है और सामान सस्ता हो सकता है। अंदरूनी सोच में विभिन्नता: यह ग्रुप एक जैसा ग्रुप नहीं है, जिससे आम सहमति बनाना मुश्किल हो जाता है। इसमें बहुत अलग-अलग जियोपॉलिटिकल सोच वाले देश हैं, जिनमें वे देश शामिल हैं जो पश्चिम का सक्रिय रूप से सामना कर रहे हैं (जैसे, रूस, ईरान) से लेकर वे देश भी शामिल हैं जो पश्चिमी देशों (जैसे, भारत, ब्राज़ील) के साथ मज़बूत स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक संबंध बनाए हुए हैं। इंस्टीट्यूशनल एकता बनाम विस्तार: ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह खुद को ज़्यादा बढ़ाए बिना अपनी बढ़ती जियोपॉलिटिकल अहमियत को ठोस इंस्टीट्यूशनल असर में बदले। तेज़ी से विस्तार से इस ग्रुप के बेकाबू होने और निर्णायक रूप से काम करने की इसकी क्षमता कम होने का खतरा है। अलग-अलग इकोनॉमिक प्राथमिकताएँ: फाइनेंशियल इंटीग्रेशन पर सदस्यों के अलग-अलग विचार हैं। जहां कुछ लोग वेस्ट से तेज़ी से फाइनेंशियल डीकपलिंग पर ज़ोर देते हैं, वहीं दूसरे प्रैक्टिकल इकोनॉमिक डेवलपमेंट को प्राथमिकता देते हैं और बड़े फाइनेंशियल बदलावों के नतीजों से डरते हैं। ब्रिक्स उस पश्चिमी नैरेटिव को बेअसर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है जिसके तहत इसे 'पश्चिम-विरोधी क्लब' या एक विघटनकारी ताकत के तौर पर देखा जाता है। इन कोशिशों से निपटने के लिए यह कई रणनीतियाँ अपनाता है: नैरेटिव को नए सिरे से पेश करना: 2026 में भारत की अध्यक्षता में नेतृत्व ने टकराव वाली छवि को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। आधिकारिक राजनयिक रुख इस बात पर ज़ोर देता है कि ₹ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी नहीं है; यह संतुलन का पक्षधर है₹ और 'ब्रिक्स देशों को G7-विरोधी नहीं बनना चाहिए, और G7 को ब्रिक्स -विरोधी नहीं बनना चाहिए।' यह समूह खुद को स्वाभाविक रूप से विरोधी के बजाय 'गैर-पश्चिमी' और सुधारवादी के तौर पर पेश करता है। डी-डॉलरलाइज़ेशन पर व्यावहारिक और क्रमिक दृष्टिकोण: गंभीर आर्थिक जवाबी कार्रवाई (जैसे टैरिफ की धमकियाँ) से बचने के लिए, ब्रिक्स ने डी-डॉलरलाइज़ेशन से जुड़ी अपनी बयानबाज़ी को नरम किया है। अमेरिकी डॉलर या ब्रिक्स की साझा मुद्रा को अचानक और पूरी तरह से बदलने के बजाय—जिसका भारत जैसे सदस्यों ने स्पष्ट रूप से विरोध किया है—यह समूह व्यावहारिक और क्रमिक बदलाव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें स्थानीय मुद्रा में लेन-देन को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय स्वैप समझौते और व्यापार के लिए डिजिटल मुद्रा के ढांचे की संभावनाओं को तलाशना शामिल है।

व्यंग्य

कसौटी पर अभी मंजिल दूर

बैडमिंटन के बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। भारत को सिर्फ एक कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

देश ने राहत की सांस ली है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में बैंडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन दोषमुक्त ढंग से हुआ। इस साल के आरंभ में उसी स्टेडियम में इंडिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के आयोजन के दौरान बंदरों और कबूतरों की बार-बार घुसपैठ भारत की बदनामी की वजह बनी थी। काबिल-ए-तारीफ है कि आयोजकों ने उस अनुभव से सबक सीखा। नतीजतन, जिस समय दुनिया का ध्यान भारत पर टिका था, कोई ऐसी बात नहीं हुई, जो देशवासियों के लिए असहजता का कारण बनती।

जहां तक खेल का संबंध है, भारत ने 2011 से लगातार कोई ना कोई मेडल जीतने का सिलसिला बरकरार रखा, लेकिन कुल प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी फीका रहा। अपना माहौल होने के बावजूद भारत को सिर्फ ट्रेसी जॉली और गायत्री गोपीचंद के महिला डबल्स में जीते कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दरअसल, दिल्ली में जाहिर यह हुआ कि बैडमिंटन जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी खेल में किसी देश के लिए वर्चस्व बनाए रखना आसान नहीं है। पुरुष सिंगल्स में टॉप 5 सीड वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गए। उधर बैटमिंटन की महाशक्ति जापान कोई स्वर्ण पदक नहीं जीत सका। एक अन्य महाशक्ति चीन को सिर्फ एक स्वर्ण पदक से संतोष करना पड़ा। कुल पांच श्रेणी में हुए मुकाबलों में इंडोनेशिया किसी फाइनल में जगह नहीं बना सका। स्कैंडेनेवियन देशों- खासकर डेनमार्क की नाकामियां भी ध्यान खींचती रहीं। जबकि नई महाशक्ति के रूप में फ्रांस का उदय हुआ, जिसने पुलिस सिंगल्स और मिस्क्ड डबल्स के स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का संदेश है कि बैडमिंटन जैसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले खेल में अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए नई प्रतिभाओं के निरंतर उदय की उर्वर जमीन अनिवार्य है। इस सदी में भारत का इस खेल में एक ताकत बनना बड़ी उपलब्धि रहा है। बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। प्रतिभाओं की खोज, खिलाड़ियों के लगन, प्रायोजकों की मदद, और खेल के उचित माहौल के तालमेल से ही यह दूरी तय की जा सकेगी।

ब्लॉग

विकास के आंकड़ों की जांच-परख

डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है।

समय से ही शुरुआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए। जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते।

उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 'नॉमिनल जीडीपी में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है। अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने डूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के बैंकों और कंपनियों के तौर-तरीकों को बदल दिया। रियल एस्टेट कानून ने उस सेक्टर को साफ-सुथरा बनाया, जो कभी अटकी हुई परियोजनाओं और पैसे के अपारदर्शी लेन-देन के लिए जाना जाता था। 'द इकोनॉमिस्ट ने 2023 में उस सफाई अभियान का उल्लेख किया था। उसने नई दिल्ली पर कोई मेहरबानी नहीं की थी।

इसके बाद, तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से निपटने के लिए सरकार ने जो कुछ किया, वह भी सामने है। उसने कीमतों में हुई बढ़ोतरी का बोझ आम परिवारों और कंपनियों पर नहीं डाला। उसने इसकी लागत खुद वहन की। राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से 'ए रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवाला संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया। उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया। टोक्यो स्थित एक रेटिंग समिति के लिए दिल्ली में किसी को खुश करने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने भी उन्हीं सुधारों को देखा और वही नतीजा निकाला।

अब आलोचना के मुख्य बिंदु पर आते हैं। लेखकगण पूछते हैं कि अगर आज ये संकेतक 7.8 प्रतिशत की विकास दर को सही ठहराते हैं, तो पूर्व के वर्षों में वैसी ही विकास दर कमजोर संकेतकों के साथ क्यों संभव हुई थी? यह मान लेना कि विकास हमेशा एक जैसी चीजों से ही संभव होती है, जरूरी नहीं है। निर्यात और औपचारिक ऋण से प्रेरित तिमाही, घरेलू खर्च या सरकारी निवेश से चलने वाले वर्ष जैसी नहीं होगी। पूर्व के वर्षों में विकास के अपने कारण थे, जो उस समय साफ दिख रहे थे। वर्ष 2024-25 तक, शेयर बाजार तेजी से चढ़ा और अधिक संख्या में भारतीयों ने निवेश करना शुरू किया। वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। गैर-बैंक और तकनीक-आधारित ऋणदाता तेजी से बढ़े। वाणिज्यिक क्षेत्र में कुल संसाधनों का प्रवाह तीन वर्षों में 72 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें गैर-बैंकों की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत बढ़ी। ये असली कारण थे। बस, वे अलग थे।

मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए बकाया ऋण में 66.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जुलाई 2026 में भी यह बढ़ोतरी लगभग 25 प्रतिशत की दर से जारी थी। ऐसा कहा जाता है कि ऊर्जा की कीमतों में अचानक उछाल से छोटी कंपनियों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। लेकिन उन्हें ऋण देने वाले इस बात से सहमत नहीं दिखते। ऋणदाता आम तौर पर उन कंपनियों को ऋण नहीं देते, जिनके असफल होने की आशंका होती है।

लेखकों के तर्क की तह में यह बात छिपी है कि सांख्यिकी मंत्रालय का काम सरकार की छवि को बेहतर दिखाना है। लेकिन आंकड़े इस बात की पुष्टि नहीं करते। वर्ष 2023-24 के लिए, मंत्रालय ने विकास दर के अनुमान को 9.2 प्रतिशत (पुरानी श्रृंखला के तहत) से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया था। यानी, उन्होंने खुद ही लगभग दो प्रतिशत अंक कम कर दिए। अन्य आरोपों के मामले में भी गणित खिलाफ जाता है।

वर्ष 2024-25 में, नई श्रृंखला के तहत नॉमिनल जीडीपी की विकास दर पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम रही - 9.8 प्रतिशत के मुकाबले 9.4 प्रतिशत - जबकि असल विकास बढ़ी। नॉमिनल जीडीपी सरकार के राजकोषीय लक्ष्यों का आधार होती है। सरकार सबसे ज़्यादा इसी आंकड़े को ऊंचा रखना चाहती है। अगर कोई मंत्रालय आंकड़ों में हेरफेर करता है, तो वह ऐसा अपनी कीमत पर नहीं करता। वर्ष 2024-25 और 2025-26 को मिलाकर देखें, तो नई श्रृंखला के तहत औसत असल विकास दर 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो जाती है। यह आधा प्रतिशत अंक अधिक है। अगर तीन वर्षों - 2023-24 से 2025-26 - को लें, तो नई में औसत ग्रोथ पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है - 7.7 प्रतिशत के मुकाबले 7.4 प्रतिशत।

लेखकगण अपनी बात एक कहावत के साथ खत्म करते हैं। वे लिखते हैं कि जो नियम आज लागू होता है, वही नियम पहले भी लागू होना चाहिए। यह सिद्धांत सही है। हमारी बस यही मांग है कि इसे पूरी तरह से लागू किया जाए। पिछले सालों के आंकड़े भी मौजूद हैं: जैसे घरेलू बचत, क्रेडिट में बढ़ोतरी, संसाधनों का प्रवाह, करों से होने वाली कमाई और निवेशकों का बढ़ता दायरा। अगर आप कुछ ही संकेतकों को देखें, तो पिछला समय कमजोर लग सकता है। लेकिन अगर आप सभी संकेतकों पर गौर करें, तो ऐसा नहीं लगता।

भारत ने एक बड़े झटके का सामना किया और आगे बढ़ता रहा। ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि उसने एक दशक में अपनी क्षमता बढ़ाई थी और वित्तीय मजबूती हासिल की थी। यह एक ठोस नतीजा है, न कि कोई बनावटी बात।

(लेखक सौरभ गर्ग, सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, वी. अनंत नागेश्वरन, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार)

'इससे दुर्भाग्यपूर्ण और क्या होगा...', आगरा में अजन्मे की मौत पर अखिलेश यादव की पोस्ट, जो हो रही वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। सिस्टम की सुस्ती और प्रशासनिक लापरवाही ने 2 सितंबर को गढ़वार गांव के एक अजन्मे की जिंदगी छीन ली थी। सड़क के गड्ढे में एंबुलेंस फंसने से प्रसूता निधि समय से अस्पताल नहीं पहुंच सकी थी। नतीजतन गर्भ में ही नवजात की मौत हो गई थी। सोमवार रात सपा मुखिया अखिलेश यादव की फेसबुक पोस्ट 'इससे दुर्भाग्यपूर्ण क्या होगा कि भाजपा के भ्रष्टाचार की वजह से वो भी मारे जा रहे हैं, जिन्होंने अभी जन्म भी नहीं लिया है' ने हलचल बढ़ा दी है।

गढ़वार गांव के भानु प्रताप सिंह, विभूत नरायन सिंह, रिक्की सिंह, अमित कुमार, हरेंद्र सिंह आदि शनिवार को समाधान दिवस में दर्ज कराई शिकायत में कहा था कि 2 सितंबर की रात गढ़वार गांव के प्रवेंद्र की पत्नी निधि को प्रसव पीड़ा हुई थी। रात 1 बजे परिजन ने कॉल कर एंबुलेंस बुलाई थी। कुछ देर में ही पहुंची एंबुलेंस गांव के मुख्य मार्ग पर बने गड्ढे में फंस गई थी। दावा किया कि ग्रामीणों ने ट्रैक्टर की मदद से करीब दो घंटे तक मशक्कत कर एंबुलेंस को बाहर निकाला था। इसके बाद परिजन प्रसूता को लेकर पहले जैतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, फिर बाह के निजी अस्पताल ले गए।

परिजन ने दावा किया था कि डॉक्टर ने प्रसव में देरी के कारण नवजात की मौत हो गई। मंगलवार को जैतपुर के अधीक्षक डॉ. दीपक यादव, बाह के अधीक्षक डॉ. जितेंद्र वर्मा मृतक नवजात के घर पर पहुंचे। मृतक नवजात के पिता का बयान दर्ज किया। उसके बाद बाह के एसडीएम विनोद कुमार पहुंचे। उन्होंने पूछताछ के बाद दावा किया कि बारिश से क्षतिग्रस्त पुराने संपर्क मार्ग पर एंबुलेंस को महज 15-20 मिनट के विलंब पर प्रसूता को सुरक्षित जैतपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया था।

मौजूद चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ ने प्रसूता को भर्ती किया था। प्रारंभिक परीक्षण में जच्चा बच्चा की स्थिति सामान्य पाई गई थी। चिकित्सीय निगरानी में रखा गया था। सुबह 5 बजे परिजन प्रसूता स्वेच्छा से बाह के निजी चिकित्सालय ले गए थे। प्रसव में नवजात बच नहीं सका था। उन्होंने किसी भी स्तर पर चिकित्सीय उपेक्षा या घंटों तक मार्ग अवरुद्ध होने की बात के दावे को खारिज किया है। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए संपर्क मार्ग को लोक निर्माण विभाग ने दुरुस्त करा दिया है। प्रकरण की जांच के लिए टीम गठित की गई है।

निजी अस्पताल पहुंचे एसीएमओ, संचालन पर लगाई रोक

गढ़वार की निधि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर से परिजन अपनी इच्छा से बाह के श्याम जी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। निधि का प्रसव श्याम जी हॉस्पिटल में ही हुआ था। एसीएमओ डॉ. सुशील कुमार ने अस्पताल की जांच की। अभिलेख मांगे, अलमारी की चाबी न होने की वजह से संचालक ने अभिलेख दिखाने में असमर्थता जताई। एसीएमओ ने बताया कि अस्पताल पंजीकृत तो है, लेकिन संचालक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। नतीजतन अभिलेख उपलब्ध कराने तक अस्पताल के संचालन को बंद रखने की हिदायत दी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में निधि के प्रसव की पुष्टि हुई है। नवजात की मौत की वजह की जांच हो रही है। जांच के बाद असल वजह सामने आ सकेगी।

मौसम में बदलाव, अस्पतालों में बढ़ी भीड़

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मौसम बदलने के साथ वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इसका असर मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में भी दिख रहा है, जहां मरीजों की संख्या एक हजार बढ़ गई है। अगस्त में जहां दो से तीन हजार मरीज आ रहे थे, वहीं अब रोजाना चार हजार मरीज पहुंच रहे हैं। आठ गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती भी किया गया है। मरीजों की अचानक बढ़ी संख्या से अस्पताल की व्यवस्थाओं पर असर पड़ा है। सुबह अस्पताल खुलते ही रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर डॉक्टरों के कमरों तक मरीजों की लंबी लाइनें लग रही हैं। ज्यादातर मरीज बुखार, सर्दी-खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द और कमजोरी की शिकायत लेकर आ रहे हैं। ओपीडी में भीड़ बढ़ने से पैथोलॉजी में जांच कराने और मेडिसिन विभाग में डॉक्टर से सलाह लेने के लिए मरीजों को इंतजार करना पड़ रहा है। दवा के काउंटर पर भी मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डाक्टरों ने बताया कि मौसम में लगातार बदलाव के कारण वायरल संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव के बीच सर्दी-खांसी और बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में अभी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।उन्होंने बताया कि वायरल संक्रमण में आमतौर पर बुखार, सर्दी-खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। ऐसे में लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।डॉक्टरों ने संक्रमण से बचाव के लिए भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचने और जरूरत पड़ने पर मास्क का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। साथ ही, खूब पानी पीने, पौष्टिक खाना खाने और पर्याप्त आराम करने को भी जरूरी बताया है।

फोटो 04जेएनपी।

बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी थे यादवेन्द्र दत्त दुबे

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। राजा यादवेंद्र दत्त की 27वीं पुण्यतिथि बुधवार को राजा श्रीकृष्णदत्त इंटरमीडिएट कॉलेज में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राजा साहब के बहुआयामी व्यक्तित्व, सामाजिक सरोकारों, जनसेवा और जरूरतमंदों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।कॉलेज के प्रबंधक डॉ. सत्यराम प्रजापति ने कहा कि राजा यादवेंद्र दत्त बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे कई भाषाओं के विद्वान होने के साथ ही समाज के प्रति गहरी संवेदना रखने वाले व्यक्तित्व थे। उनका जीवन सामाजिक सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा।उप प्रबंधक जियाराम यादव ने कहा कि राजा साहब के हृदय में गरीबों और जरूरतमंदों के लिए विशेष स्थान था। उन्होंने अपने संबोधन में राजा साहब के सामाजिक सरोकारों और जनसेवा

से जुड़े अनेक प्रसंगों का उल्लेख किया।कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रवक्ता अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा के समय सरकारी सहायता पहुंचने से पहले ही राजा साहब की ओर से गरीबों और बाढ़ पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंच जाती थी। यह उनके सेवाभावी और संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रमाण था।वरिष्ठ पत्रकार श्याम नारायण पांडेय ने राजा साहब के राम मंदिर निर्माण आंदोलन में कारसेवा से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राजा यादवेंद्र दत्त का सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रधानाचार्य डॉ. संजय चैबे ने राजा यादवेंद्र दत्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की चर्चा करते हुए कहा कि राजा साहब जैसा व्यक्तित्व "न भूतो न भविष्यति" रहा है। उनके आदर्श और समाजसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। संचालन लेफ्टिनेंट बृजभूषण यादव ने किया। प्रवक्ता प्रेमचंद, डॉ. विश्वनाथ, डॉ. बृजेश सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, राम प्रताप, डॉ. रमेश, पवन कुमार साहू, राघवेंद्र सिंह, नागेंद्र प्रसाद, अनिल, सुभाष, रंजना चैरसिया, रंजन प्रजापति, पूजा सिंह सहित कॉलेज के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किशोरी के साथ किया सामूहिक दुराचार

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार देर रात किशोरी के साथ सामूहिक दुराचार का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पीड़िता की मां के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 10:30 बजे किशोरी ने पेट में दर्द होने की बात कही और घर से करीब 50 मीटर दूर स्थित शौचालय चली गई। आरोप है कि शौचालय से बाहर निकलते ही पहले से घात लगाए तीन लोगों ने उसे पकड़ लिया और पास के मकई के खेत में खींच ले गए। वहां आरोपियों ने किशोरी की आंखों पर पट्टी बांधकर उसके साथ सामूहिक दुराचार किया।परिजनों के मुताबिक, किशोरी के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी मां की नींद खुल गई। मां जब मौके की ओर पहुंची तो आरोपी किशोरी को खेत से बाहर फेंककर फरार हो गए। इसके बाद परिजनों ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी।

किराये के मकान में दुर्घटनावश मौत पर मालिक को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते, आपराधिक कार्रवाई रद्द

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किराये के मकान में दुर्घटनावश मौत पर मालिक को आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसके लिए अभियोजन को मकान मालिक की ऐसी विशिष्ट लापरवाही या चूक का प्रथमदृष्टया साक्ष्य देना होगा, जिसका मौत से सीधा और निकट संबंध हो। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने छात्र की मौत के मामले में याची मकान मालिक अवधेश सिंह के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी।

कानपुर नगर के काकादेव थाने में याची के खिलाफ परिजनों ने एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि छात्र आठ महीने से याची के मकान में किराये पर रहकर आईआईटी की तैयारी कर रहा था। एक दिसंबर 2025 को उन्हें छात्र की मौत की सूचना मिली। मौके पर

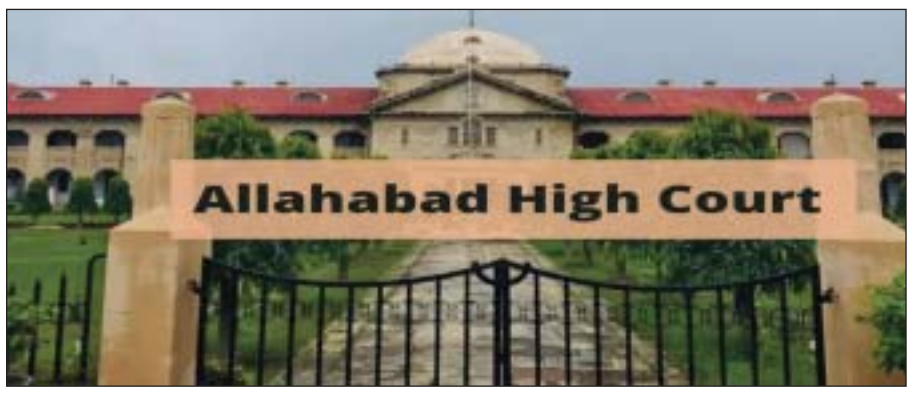

पहुंचने पर छात्र का शव मकान के बाथरूम में मिला था। एफआईआर में आरोप लगाया गया कि बाथरूम में गैस गीजर लगा था और पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं था। ऐसे में आशंका जताई गई कि गीजर से निकली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के कारण छात्र की मौत हुई। जांच के बाद पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी। ट्रायल कोर्ट ने संज्ञान/समन आदेश जारी किया तो याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

सिर्फ अंदाजे पर आपराधिक केस नहीं चल सकता

कोर्ट ने कहा कि छात्र की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मकान में केवल मौत होने से बीएनएस की धारा-106 के तहत मालिक को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि गीजर सुरक्षा मानकों के खिलाफ लगाया गया था, वह खराब था। इसकी जानकारी मकान मालिक को थी या पहले कभी लीकेज की शिकायत के बाद भी उसने ठीक नहीं कराया। केवल अंदाजे पर आपराधिक केस नहीं चल सकता। ऐसे में कोर्ट ने आपराधिक की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी।

संक्षेप

शाहगंज के तहसीलदार सौरभ निलम्बित

जौनपुर। राजस्व मामलों के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शाहगंज तहसीलदार सौरभ कुमार को निलंबित कर दिया गया है।निलंबन की खबर फैलते ही प्रशासन में हड़कम्प मचा हुआ है।राजस्व परिषद ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई किसी एक अभियान तक सीमित नहीं है।लंबित राजस्व वादों के निस्तारण की लगातार निगरानी की जाएगी और अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रतिबन्धित मांझे के खिलाफ दिया ज्ञापन

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में किलर मांझा प्रतिबंध अभियान समिति ने बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट को मांग पत्र सौंपा। समिति ने प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून बनाने की मांग की है। यह मांग जानलेवा मांझे से हो रही लगातार मौतों और गंभीर चोटों के मद्देनजर की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि पतंग उड़ाना हमारी परंपरा का हिस्सा है, लेकिन जानलेवा मांझा अब आम लोगों के लिए खतरा बन गया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 11 जुलाई 2017 को नायलॉन, सिंथेटिक और गैर-जैव अपघटनीय मांझे के निर्माण, बिक्री, भंडारण और उपयोग पर रोक लगाने के साफ निर्देश दिए थे। इसके बावजूद, प्रतिबंधित मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है।जिले में मांझे से हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए बताया गया कि 11 दिसंबर 2025 को शिक्षक संदीप तिवारी और 14 जनवरी 2026 को डॉ. समीर हाशमी की गर्दन कटने से मौत हो गई।

शराब के साथ दो को किया गिरफ्तार

जौनपुर। नवागत आबकारी निरीक्षक ने सदर क्षेत्र के कई स्थानों पर अवैध शराब की बिक्री को लेकर छापेमारी किया।छापेमारी के दौरान सीहीपुर रेलवे लाइन के पास दो व्यक्तियों को 52 शीशी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया।मुखबिर से मिली सूचना पर जफराबाद, कजगाव,कबुलपुर व शहर के कई स्थानों पर मै टीम छापेमारी किया।छापे के दौरान मुखबिर ने सूचना मिली के लाइनबाजार के सीहीपुर रेलवे क्रासिंग के पास दो व्यक्तियों द्वारा अवैध शराब बेचने का काम किया जा रहा है।सूचना मिलते ही श्रीमती देविका शुक्ला टीम के साथ पहुंच कर घरेबन्दी करवाकर दोनो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया।उनके पास से 52 शीशी शराब बरामद हुई। उन्होंने बताया कि अभी इसी प्रकार की छापेमारी के क्रम : चलता रहेगा।

लावारिस शव का कराया कफन-दफन

जौनपुर। मिट्टी इंतजामिया कमेटी ने आज एक और लावारिस शव (मिट्टी) का पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराया। कमेटी द्वारा सम्मानपूर्वक दफन की गई यह 167वीं मिट्टी थी।यह लावारिस शव सदर अस्पताल से कोतवाली थाने की भंडारी पुलिस चैकी द्वारा कमेटी को सौंपा गया था। इसके बाद पूरी धार्मिक रीति-रिवाज के साथ हाफिज अजहर रसीदाबादी ने नमाज-ए-जनाजा अता कराई और शव को सुपुर्दे-खाक किया गया। कमेटी के संस्थापक रियाजुल हक, अकरम मंसूरी, अफजल, अब्दुल रज्जाक और इस्लाम मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस पूरे इंतजाम में राहिल अब्दुल्ला, डॉक्टर ए. के. हारिस, जावेद मारूफपुर और शाहनवाज जहांगीराबाद का विशेष और सराहनीय सहयोग रहा।

अवैध मादक पदार्थ बनाने वाले चार तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर। जिले के थाना केराकत पुलिस व स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ का निर्माण एवं तस्करी करने वाले गैंग के चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 317 ग्राम निर्मित एमडीएमए 660 ग्राम अर्धनिर्मित निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, 9,500 नकद व 02 चार पहिया वाहन बरामद। बरामद मादक पदार्थ एवं सामग्री की अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब ड़ेढ करोड़ रुपये है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई में केराकत के स्टेशन रोड स्थित ग्राण्ड वेलकम रेस्टोरेंटष्होटल पर दबिश देकर चार अभियुक्तों को अवैध रूप से एमडीएमए का निर्माण करते हुए गिरफ्तार किया गया।

एक महीने से था गायब, अचानक आया और पत्नी को मार डाला... फिर दोनों बच्चों को लेकर भागा पति, कहानी किरण हत्याकांड की

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ताजनगरी आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र स्थित पीलीपोखर गांव में एक ऐसा जघन्य हत्याकांड सामने आया है, जिसने रिश्तों की पवित्रता और पारिवारिक ताने-बाने को तार-तार कर दिया है। एक महीने से घर से गायब चल रहे बेरोजगार पति ने अचानक लौटकर पत्नी के सिर पर भारी वस्तु से हमला किया और फिर बर्बरता की हदें पार करते हुए चाकू से उसका गला रेत दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि हत्या की इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने दोनों मासूम बच्चों को साथ लेकर मौके से फरार हो गया। पीलीपोखर निवासी राजकुमार सिकरवार का 32 वर्षीय बेटा विवेक सिकरवार कोई कामकाज नहीं करता था। उसकी शादी करीब 8 साल पहले एत्मादपुर के गांव चली निवासी विजेंद्र सिंह की बेटी किरण (30 वर्ष) के साथ हुई थी। दोनों के दो छोटे-छोटे

बेटे हैं, लक्ष्य (5 वर्ष) और चुन्नू (3 वर्ष)। मायके वालों और पड़ोसियों के मुताबिक, शादी के कुछ समय बाद से ही दहेज की अनवरत मांगों को लेकर विवेक और उसके घरवाले किरण को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे।

किरण के भाई ललित ने पुलिस को दिए बयान में रोते हुए बताया कि उसकी बहन की खुशहाली के लिए कई बार दोनों परिवारों और गांव के संभ्रांत लोगों के बीच पंचायतें बुलाई गईं। हर बार आरोपी समझौता कर लेता था, लेकिन घर पहुंचते ही फिर से मारपीट और विवाद का सिलसिला शुरू हो जाता था। विवेक कोई काम-धंधा नहीं करता था, जिससे घर का खर्च और बच्चों का भविष्य भी लगातार अधर में लटका हुआ था।

एक महीने बाद लौटा और रच डाली कत्ल की साजिश

परिजनों के अनुसार, विवेक पिछले लगभग एक महीने से घर से गायब था। सोमवार शाम को वह अचानक घर लौटा। रात में किसी बात को लेकर उसका फिर से किरण से झगड़ा हुआ। गुस्से और हैवानियत में अंधे हुए विवेक ने पहले किरण के सिर पर भारी वस्तु से प्रहार कर उसे अधमरा किया और फिर चाकू से उसका गला काट दिया। हत्या के बाद वह अपने दोनों मासूम बेटों को रात के अंधेरे में ही अपने साथ लेकर फरार हो गया।

दोपहर तक नहीं खुला दरवाजा, तब खुली पोल

मंगलवार दोपहर तक जब किरण के घर का दरवाजा नहीं खुला और न ही बच्चे बाहर खेलने निकले, तो पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। जब लोगों ने खिड़की से अंदर झांककर देखा, तो किरण का खून से लथपथ शव फर्श पर पड़ा हुआ था। ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय खंदौली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड की टीमें मौके पर पहुंचीं और साक्ष्य एकत्रित किए।

पुलिस का रुख और कार्रवाई

इंस्पेक्टर खंदौली उपेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मायके वालों की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की कई टीमें आरोपी की गिरफ्तारी और बच्चों की सुरक्षित बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

वृद्धाश्रम का निरीक्षण, समस्याओं पर पूछताछ

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि के निर्देशन व सचिव, सुशील कुमार सिंह व जिला प्रोबेशन अधिकारी, विजय कुमार पाण्डेय के द्वारा "निःशुल्क वृद्धजन आवास वृद्धाश्रम सैयद अलीपुर सदर का औचक निरीक्षण व वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा वृद्धाआश्रम में रह रहे वृद्धजनों से वार्ता की गई व उनकी समस्याओं के बारे में पूछतांछ की गई। सभी वृद्धजनों द्वारा आश्रम में कोई समस्या नहीं बताई गई। साफ-सफाई को लेकर उचित दिशा-निर्देश दिया गया। तत्पश्चात विधिक साक्षरताध जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सिविल जज द्वारा बालक वृद्ध एवं वयस्क का अंतर बताते हुए बताया कि माता-पिता के भरण पोषण का भार वयस्क पुत्र पुत्री उनकी अनुपस्थिति में पौत्र और पौत्री एवं दत्तक पुत्र का होता है यदि कोई परेशानी भोजन वस्त्र आवास रहन-सहन मनोरंजन एवं आपातकालीन परेशानी में हो तो संबंधित अधिकारियों को सूचित करें अन्यथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र दें उन्होंने भरण पोषण की प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा कि एक आवेदन पत्र पर त्वरित रूप से इसका निस्तारण 90 दिन में हो जाता है अधिक से अधिक 30 दिन उसमें और बढ़ाया जा सकता है जिला प्रोबेशन ने कहा कि वृद्ध आश्रम में आरामदायक कमरे नियमित पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य देखभाल मनोरंजन की निशुल्क व्यवस्था राज्य सरकार को करनी पड़ती है यह देश के संविधान द्वारा भी वर्णित है और आपात सेवा परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था होती है।

बागपत में मर्डर.... हथौड़े से वारकर युवक की हत्या, चाय दुकानदार दंपत्ति पर आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां बुधवार को एक युवक की हथौड़े से वारकर हत्या कर दी गई। वारदात बड़ौत शहर कोतवाली क्षेत्र की खत्री गली में हुई। मृतक की पहचान शिकोहपुर गांव निवासी दीपेंद्र के रूप में हुई है। आरोप है कि पास में चाय की दुकान चलाने वाले पति-पत्नी ने किसी विवाद के बाद युवक पर हथौड़े से हमला किया।

दीपेंद्र बुधवार को खत्री गली में था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका चाय की दुकान चलाने वाले दंपत्ति से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि इसी दौरान दंपत्ति ने युवक पर हथौड़े से हमला कर दिया।

हमले में दीपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर और शरीर

पर चोटें आईं। हालत बिगड़ने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी बताए जा रहे दंपत्ति को लेकर आसपास के लोगों में चर्चा शुरू हो गई। हालांकि, पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही घटना में दोनों की वास्तविक भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

मौके पर पहुंची पुलिस, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

युवक की हत्या की सूचना मिलते ही बड़ौत कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के बाद पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस अब इन्हीं साक्ष्यों और अन्य जानकारी के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

हत्या की असली वजह का पता लगाने में जुटी पुलिस

प्रारंभिक जानकारी में युवक और चाय दुकानदार दंपत्ति के बीच विवाद की बात सामने आई है, लेकिन विवाद किस वजह से शुरू हुआ और किस परिस्थिति में युवक पर हमला किया गया, इसका अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस हत्या के पीछे की वास्तविक वजह पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है। इससे वारदात से पहले और उसके दौरान की गतिविधियों की जानकारी मिल सकती है। इसके अलावा पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों और आसपास के दुकानदारों से भी पूछताछ कर सकती है।

परिजनों में मचा कोहराम

दीपेंद्र की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। परिजन घटनास्थल और पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। परिवार के लोगों ने घटना की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस घटना की वजह, हमले के तरीके और आरोपी दंपत्ति की भूमिका की जांच में जुटी हुई है।

बीएसए ने किया स्कूलों का निरीक्षण, दिया निर्देश

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने बुधवार को विकासखंड बक्शा एवं महराजगंज क्षेत्र के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था, छात्र उपस्थिति, साफ-सफाई, शौचालय व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया तथा निर्देश दिए।बीएसए ने कंपोजिट विद्यालय सरायविभार, बक्शा का निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर एवं शौचालयों में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय गड़ेरिया, महराजगंज का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय पहोरीपुर, महराजगंज में भी समस्त स्टाफ उपस्थित मिला। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की छत की मरम्मत की आवश्यकता सामने आने पर बीएसए ने मौके से ही जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) से वार्ता कर मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

एक तरफा तो नहीं होता जा रहा आपका रिश्ता, इन 5 संकेतों से पहचानें

रिश्ते में लड़ाई नहीं है फिर भी कुछ ऐसी चीजें हो रही होती हैं कि दो लोग साथ होते हुए भी दूर होते जाते हैं। कई बार हमें पता भी नहीं चलता है और हम रिश्ते को एक तरफा ढो रहे होते हैं। ये बदलाव बस चुपचाप आता है। ज्यादातर कपल को ये बात बहुत मामूली महसूस होती है, लेकिन समय के साथ आपको खुशी की जगह उस रिश्ते में थकान जैसी महसूस होने लगती है। मानों सिर्फ आप ही सारी चीजों को अपने कंधे पर ढो रहे हैं और पार्टनर का कोई एफर्ट ही नहीं है। इस आर्टिकल में जानेंगे ऐसे ही 5 संकेतों के बारे में जिससे आप पता कर सकते है कि आपका रिश्ता अब बस एक तरफा होता जा रहा है।

हर रिश्ता किसी लड़ाई या फिर धोखे की वजह से नहीं टूटता है, बल्कि कई बार वो इसलिए टूट जाता है क्योंकि उसमें सारे एफर्ट बस एक ही पार्टनर के होते हैं। 5 ऐसे मामूली से लगने वाले संकेत हैं जो ये बताते हैं कि आप एक तरफा रिश्ते को जबरदस्ती आगे खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

आप ही करते हैं हमेशा पहल

आपके रिश्ते में भी ऐसा है कि पहले आप दोनों मिलकर घूमने का प्लान किया करते थे और आपके पार्टनर भी मैसेज कॉल पर जुड़े रहते थे, लेकिन अब आप ही पहले मैसेज करते हैं, प्लान बनाते हैं और पता करते हैं कि वे कब फ्री हैं। ऐसे में कई बार एहसास भी नहीं होता है कि कैसे आप ही उस रिश्ते को बनाए रखने के लिए एफर्ट लगा रहे हैं।

क्या आपको ही रहती है चिंता?

आपको उनके काम के स्ट्रेस, उनसे जुड़ी हर छोटी-मोटी चिंताएं याद रहती हैं और आप हमेशा उनसे संवाद करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे शायद ही कभी पूछते हैं कि आपकी जिंदगी में क्या चल रहा है। ऐसे में ये चीज दिखाती है कि दिलचस्पी सिर्फ एक तरफा चल रही है। हो सकता है आपके पार्टनर पर बहुत काम का बोझ या जिम्मेदारियां हो, इसलिए एक बार आपको इस पर खुलकर बात करनी चाहिए।

हमेशा आप ही खत्म करते हैं लड़ाई

पति-पत्नी या लव पार्टनर्स का रिश्ता हमेशा ही ऐसा होता है, जिसमें नोक-झोंक भी खूब होती है, लेकिन दोनों तरफ से इस झगड़े को खत्म करना। गुस्सा हुए पार्टनर को मनाना यही तो रिश्ते की खूबसूरती होती है। अगर आपका रिश्ता ऐसा होता जा रहा है कि हारकर आप ही हमेशा लड़ाई को खत्म करते हैं तो ये एकतरफा एफर्ट का संकेत है।

आप अकेलापन महसूस करते हैं

किसी भी रिश्ते में अगर एक पार्टनर हमेशा एफर्ट लगाए तो उसे धीरे-धीरे अकेलापन महसूस होने लगता है और वो सिर्फ उस रिश्ते को बचाने के लिए सब कुछ सहता रहता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है कि आप पार्टनर के साथ होते हुए भी अकेला महसूस करते हैं तो हो सकता है रिश्ता एक तरफा होता जा रहा है।

समझौते तो नहीं कर रहे आप

अगर आपके रिश्ते में भी चीजें इस तरह से चल रही हैं कि आपको अपनी पसंद-नापसंद को लेकर समझौता करना पड़ता है तो हो सकता है कि रिश्ता एक तरफा होता जा रहा हो। जैसे उनके शेड्यूल के हिसाब से प्लान बदल जाता है, जबकि आपका कहीं जाने का बहुत मन था।

मेकअप के दौरान कलर करेक्टर का इस्तेमाल करते समय न करें ये 5 गलतियां

कलर करेक्टर का इस्तेमाल मेकअप को बेहतरीन बनाने में मदद करता है। यह त्वचा की असमानताओं को छिपाने और एक समान रंग देने में सहायक होता है। हालांकि, कई महिलाएं कलर करेक्टर का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पातीं और इससे उनका मेकअप बिगड़ जाता है। इस लेख में हम आपको 5 आम गलतियों के बारे में बताएंगे, जिन्हें महिलाएं कलर करेक्टर का इस्तेमाल करते समय करती हैं और इनसे कैसे बचा जा सकता है।

गलत रंग का चयन करना

कलर करेक्टर का सही रंग चुनना बहुत जरूरी होता है। कई महिलाएं अपने त्वचा के रंग को ध्यान में रखे बिना ही किसी भी रंग का चयन कर लेती हैं, जिससे उनका मेकअप अच्छा नहीं दिखता।

उदाहरण के लिए, अगर आपकी त्वचा का रंग हल्का है तो पीच या नारंगी शेड बेहतर होते हैं, जबकि गहरे त्वचा रंग वाली महिलाओं के लिए हरा या पीला शेड उपयुक्त होते हैं।

सही रंग चुनने से आपका मेकअप ज्यादा निखरता है।

ज्यादा मात्रा में उपयोग करना

कलर करेक्टर का ज्यादा उपयोग करना एक बड़ी गलती हो सकती है। कुछ महिलाएं यह सोचती हैं कि ज्यादा मात्रा में कलर करेक्टर लगाने से उनकी समस्याएं बेहतर तरीके से छिपेंगी, लेकिन ऐसा नहीं होता।

ज्यादा मात्रा में कलर करेक्टर लगाने से चेहरा भारी दिखने लगता है और प्राकृतिक रूप से छिपी हुई समस्याएं उभरकर सामने आने लगती हैं।

इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही कलर करेक्टर का उपयोग करें, ताकि आपका मेकअप स्वाभाविक लगे।

गलत जगह पर लगाना

कलर करेक्टर लगाने की जगह भी अहम होती है। कई महिलाएं बिना सोचे-समझे कहीं भी कलर करेक्टर लगा लेती हैं, जिससे उनका पूरा लुक बिगड़ जाता है।

उदाहरण के लिए, अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं तो वहां पीच या नारंगी शेड लगाएं, ताकि वे छिप जाएं।

इसी तरह अगर आपकी त्वचा पर लाल धब्बे हैं तो उन्हें छिपाने के लिए सही जगह पर सही रंग का उपयोग करें।

गलत तरीके से मिलाना

कलर करेक्टर को सही तरीके से मिलाना बहुत जरूरी होता है, ताकि वह त्वचा में पूरी तरह मिल जाए और अलग से दिखाई न दे। कई महिलाएं इसे ठीक से नहीं मिलातीं, जिससे उनका मेकअप बनावटी लगता है।

सही तरीके से मिलाने के लिए पहले उंगलियों या स्पंज की मदद से हल्के हाथों से फैलाएं, फिर ब्रश की मदद से सेट करें।

इससे आपका मेकअप प्राकृतिक दिखेगा और लंबे समय तक टिका रहेगा।

बेस मेकअप के साथ मेल न खाना

कलर करेक्टर और बेस मेकअप का मेल होना चाहिए, ताकि आपका चेहरा एक समान दिखे। कई बार महिलाएं अलग-अलग ब्रांड या शेड का उपयोग कर लेती हैं, जिससे उनका चेहरा असंगत दिखता है।

हमेशा एक ही ब्रांड और शेड का उपयोग करें, ताकि आपका मेकअप पूरी तरह संतुलित लगे।

इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपने मेकअप को बेहतरीन बना सकती हैं और हर मौके पर खूबसूरत दिख सकती हैं।

चेहरे की चमक होगी दोगुनी, पुराने जमाने के ये घरेलू नुस्खे हैं त्वचा के लिए कमाल

स्किन केयर के दादी-नानी नुस्खे काफी कारगर माने जाते हैं। इसमें साइड इफेक्ट होने की संभावना भी नहीं होती है। चलिए जानते हैं पुराने जमाने में त्वचा की देखभाल में यूज की जाने वाली चीजों के बारे में।

त्वचा की देखभाल के लिए बाजार में आपको हजारों रुपये में बिकने वाले प्रोडक्ट मिल जाएंगे तो वहीं कई कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट भी मौजूद हैं। इसी तरह से सोशल मीडिया स्क्रॉल करते वक्त न जाने कितनी रील हमारे सामने आती हैं, जिसमें DIY स्किन केयर के टिप्स दिए होते हैं, लेकिन इन सारी चीजों से साइड इफेक्ट होने का डर भी रहता है। पुराने जमाने में जब ये सारी चीजें इतनी पॉपुलर नहीं थीं तो तब लोग अपनी त्वचा की देखभाल में नेचुरल चीजों का इस्तेमाल किया करते थे। आप आज के समय में भी इन चीजों को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

खराब लाइफस्टाइल की वजह से सेहत के साथ ही त्वचा पर भी बुरा असर पड़ता है। इसी के साथ आज के समय में पॉल्यूशन और केमिकल वाले प्रोडक्ट भी स्किन को नुकसान पहुंचाते हैं। यही वजह है कि लोग दोबारा से नेचुरल और हर्बल चीजों की तरफ बढ़ रहे हैं। चलिए जान लेते हैं ऐसी चीजों के बारे में जिन्हें लोग त्वचा की देखभाल में पुराने जमाने में यूज किया करते थे।

मुल्तानी मिट्टी का लेप

पहले के समय में त्वचा के साथ ही बालों की देखभाल में मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल काफी किया करते थे। ये आपकी त्वचा को मुलायम बनाती है और सनबर्न से लाल होने वाली स्किन को भी सूदिंग इफेक्ट देती है। गर्मी के मौसम में मुल्तानी मिट्टी त्वचा के लिए काफी फायेदमंद रहती है। इसे पानी में भिगोकर रख दें या फिर पाउडर बनाकर तुरंत गुलाबजल के साथ पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं।

हल्दी और बेसन का उबटन

पहले के समय में लोग उबटन का इस्तेमाल काफी ज्यादा किया करते थे। इसके लिए लोग हल्दी को पीसकर उसमें बेसन, नारियल या सरसों का तेल मिलाया करते थे। इसके बाद इसे पूरे शरीर पर लगाकर मसाज की जाती है, जिससे त्वचा गहराई से साफ होती है और स्किन को नमी भी मिलती है। हल्दी आपकी त्वचा की रंगत को निखारती है तो वहीं बेसन एक्सफोलिएशन (डेड स्किन हटाने) का काम करता है।

असली चंदन का लेप

पहले के समय में लोग त्वचा के लिए चंदन का इस्तेमाल काफी ज्यादा किया करते थे। आज मार्केट में चंदन पाउडर मिल जाता है, लेकिन पुराने जमाने में असली चंदन की लकड़ी को घिसकर इसका त्वचा पर लेप लगाया जाता था। ये आपकी स्किन के लिए बेहद फायदेमंद रहता है। अगर स्ट्रेस और गर्मी की वजह से सिरदर्द हो तो भी चंदन का लेप तुरंत राहत दिलाता है।

तेल की देते थे तरजीह

पहले के लोग मॉइस्चराइजर का यूज नहीं करते थे। इसकी जगह वो अपनी त्वचा पर तेल से मसाज किया करते थे, जिससे स्किन को न सिर्फ नमी मिलती थी, बल्कि पोषण भी मिलता था। लोग आयुर्वेद आधारित कुमकुमादी तैलम का इस्तेमाल करते थे जो त्वचा की कई समस्याओं से निजात दिलाता है और स्किन को चमकदार बनाता है।

दूध की मलाई का होता था यूज

पहले के समय में लोग दूध की मलाई भी स्किन केयर में इस्तेमाल करते थे। मलाई में चुटकीभर हल्दी मिलाकर चेहरे और हाथ-पैरों की त्वचा पर लगाएं। कुछ देर के बाद हल्के हाथों से मसाज करते हुए इसे क्लीन कर लें और चेहरे को सादा पानी से वॉश करें। खासकर ये रूखी त्वचा वालों के लिए काफी बढ़िया रेमेडी है।

यूपीआई भारत के पेमेंट इकोसिस्टम का अहम हिस्सा है, आयरलैंड यूरोपीय संघ में इसकी संभावनाएं तलाशने को उत्सुक है: आईडीए आयरलैंड

भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की वैश्विक सफलता अब यूरोपीय देशों का भी ध्यान आकर्षित कर रही है। आयरलैंड की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी आईडीए आयरलैंड के फिनटेक एवं पेमेंट्स प्रमुख सीन मैकविलियम्स ने सोमवार को कहा कि आयरलैंड यूपीआई की तेज प्रगति को समझना चाहता है और यह भी जानना चाहता है कि इस मॉडल का उपयोग आयरलैंड, यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य बाजारों में किस प्रकार किया जा सकता है।

मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में मैकविलियम्स ने कहा कि भारत की यात्रा का उनका मुख्य उद्देश्य देश के तेजी से विकसित हो रहे फिनटेक और डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। साथ ही वे यह भी जानना चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही भारतीय कंपनियों के लिए आयरलैंड किस प्रकार सहयोगी भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि यूपीआई आज भारत की भुगतान व्यवस्था का एक केंद्रीय स्तंभ बन चुका है और दुनिया भर के देश ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो भुगतान को अधिक सरल, तेज, सुलभ और सुविधाजनक बना सकें।

मैकविलियम्स ने कहा, मैं विशेष रूप से यह समझने में रुचि रखता हूं कि भारत में यूपीआई की सफलता का आयरलैंड और यूरोपीय संघ के लिए क्या महत्व हो सकता है। साथ ही यह भी देखना चाहता हूं कि आयरलैंड में हो रहे फिनटेक नवाचारों और यूपीआई मॉडल के बीच किस प्रकार की संभावित समानताएं या सहयोग के अवसर मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान क्षेत्र में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय बन चुकी है। भारत ने बड़ी आबादी को डिजिटल वित्तीय सेवाओं से जोड़ते हुए भुगतान प्रणाली को व्यापक और समावेशी बनाया है, जिससे अन्य देशों को भी महत्वपूर्ण सीख मिल सकती है।

मैकविलियम्स ने बातचीत के दौरान आयरलैंड की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रणनीति का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आयरलैंड ने हाल ही में राष्ट्रीय एआई रणनीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य देश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एआई नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाना है।

उन्होंने कहा कि इस रणनीति का फोकस उभरती प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, कौशल विकास, प्रतिभा निर्माण और जिम्मेदार व नियामक ढांचे के भीतर नवाचार को प्रोत्साहित करने पर है।

उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय सेवाओं में नवाचार की आयरलैंड की मजबूत परंपरा रही है और अब एआई अगली बड़ी तकनीकी क्रांति के रूप में उभर रही है। इससे बहुराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों के साथ-साथ स्टार्टअप्स को भी वैश्विक विस्तार में सहायता मिल सकती है।

मैकविलियम्स ने बताया कि इस वर्ष यूरोपीय संघ की अध्यक्षता के तहत आयरलैंड 14 अक्टूबर को एक अंतरराष्ट्रीय एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें वैश्विक कंपनियां, नीति-निर्माता और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ भाग लेंगे।

सम्मेलन में एआई से जुड़ी चुनौतियों, अवसरों और प्रमुख रुझानों पर चर्चा होगी तथा आयरलैंड को एआई नवाचार केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक विस्तार की योजना बना रही भारतीय कंपनियों के लिए आयरलैंड कई महत्वपूर्ण लाभ प्रदान कर सकता है।

मैकविलियम्स ने कहा, ₹मुझे लगता है कि यूरोपीय बाजार तक पहुंच, मजबूत तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र, नवाचार-समर्थक नीतियां और वैश्विक वित्तीय सेवाओं की मौजूदगी भारतीय कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र हो सकती हैं।

दुनिया के सबसे बड़े डायमंड बोर्स पहुंचे बेल्जियम के प्रधानमंत्री, 100 साल पुरानी हीरा साझेदारी में नया मील का पत्थर

भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) ने पूरे भारतीय हीरा उद्योग की ओर से शुक्रवार को बीकेसी, मुंबई स्थित बोर्स में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और उनके आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह दोनों देशों के हीरा उद्योगों के बीच 100 साल से अधिक पुरानी साझेदारी में एक ऐतिहासिक नया मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहला मौका है जब बेल्जियम सरकार के प्रमुख ने दुनिया के सबसे बड़े ऑपरेशनल डायमंड बोर्स का दौरा किया है।

यह दौरा इसलिए भी और महत्वपूर्ण हो गया क्योंकि यह भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हुआ है, जिसने दोनों देशों के बीच, विशेष रूप से हीरा और आभूषण क्षेत्रों में, संबंधों और सहयोग को गहरा करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

औद्योगिक नेताओं ने कहा कि हीरा वैल्यू चेन में अपनी-अपनी अनूठी स्थिति वाले इन दोनों केंद्रों के बीच आज की यह बातचीत एक नए अध्याय की शुरुआत है। दोनों पक्षों ने उद्योग की अखंडता को मजबूत करने, हीरा व्यापार में विश्वास को बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी रूप से बढ़ता रहे, में सहयोग करने और साझा जिम्मेदारी निभाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत और बेल्जियम के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर देते हुए, बीडीबी के अध्यक्ष अनूप मेहता ने कहा कि दोनों देश एक व्यापारिक साझेदारी से कहीं अधिक साझा करते हैं, क्योंकि कई भारतीय हीरा व्यापारी, विशेष रूप से गुजरात के, एंटवर्प को अपना घर बना चुके हैं।

उन्होंने कहा कि जब बीडीबी की योजना बन रही थी, तो एक टीम ने एंटवर्प का दौरा किया और वहां से सबक और प्रेरणा ली, जिसने मुंबई में एक वास्तविक अंतरराष्ट्रीय हीरा व्यापार केंद्र बनाने में उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि बीडीबी के उपाध्यक्ष मेहुल शाह वर्तमान में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्सेज के अध्यक्ष हैं, जो 1947 से व्यापार की वैश्विक शीर्ष संस्था है और जिसका मुख्यालय एंटवर्प में है।

भविष्य को लेकर अनूप मेहता ने कहा, ₹दुनिया तेजी से बदल रही है, और हमारे उद्योग को साझेदारी में अनुकूलन करना होगा। हमारा साझा उद्देश्य एक ऐसा हीरा व्यापार बनाना होना चाहिए जो न केवल समृद्ध हो, बल्कि निष्पक्ष, पारदर्शी और टिकाऊ भी हो।

जीजेईपीसी के चेयरमैन किरिट भंसाली ने कहा कि उद्योग को बेल्जियम के प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है, ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंचों में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका उद्योग के भविष्य को आकार देने में मदद कर रही है।

आपसी समृद्धि के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए भंसाली ने कहा कि 2025-26 में रत्न और आभूषण क्षेत्र में भारत-बेल्जियम व्यापार लगभग 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था, और भारत में कट और पॉलिश किए गए लाखों हीरों में से कई की यात्रा एंटवर्प से होकर गुजरती है।

उन्होंने कहा, ये केवल आंकड़े नहीं हैं। ये व्यवसायों, आजीविकाओं और भारत भर में परिवारों का भरण-पोषण करने वाली पांच मिलियन से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो सभी इस वैश्विक वैल्यू चेन में बुने हुए हैं।

भारत डायमंड बोर्स दुनिया के सबसे बड़े हीरा व्यापार केंद्रों में से एक है और भारत के वैश्विक हीरा व्यापार का एक प्रमुख केंद्र है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), मुंबई में स्थित, बीडीबी प्रमुख हीरा निर्माताओं, व्यापारियों, आयातकों, निर्यातकों और उद्योग सेवा प्रदाताओं को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुरक्षित व्यावसायिक सुविधाओं के साथ एक ही छत के नीचे एक साथ लाता है।

इजराइल और UK आमने-सामने! बैन से भड़के पीएम नेतन्याहू, पलटवार करते हुए लिए ये 4 फैसले

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और इजराइल के बीच रिश्ते तेजी से खराब होते जा रहे हैं। ब्रिटिश सरकार की ओर से इजराइल के खिलाफ नए प्रतिबंधों के ऐलान के बाद अब इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई की है। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार (Gideon Sa'ar) ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सहमति से यरुशलम स्थित ब्रिटिश कॉन्सुलेट को बंद करने का ऐलान कर दिया।

इजराइली विदेश मंत्री ने कल मंगलवार को कहा कि वेस्ट बैंक बस्तियों पर ब्रिटेन के प्रतिबंधों के जवाब में इजराइल यरूशलेम में ब्रिटिश कॉन्सुलेट यानी वाणिज्य दूतावास बंद कर देगा। गिदोन सार ने यह कदम ब्रिटेन के उस फैसले के जवाब में उठाए जा रहे कई कदमों के तहत उठाया है, जिसमें इजराइली

बस्तियों के साथ व्यापार पर रोक लगाने की बात कही गई थी।

इजराइल ने ब्रिटेन के खिलाफ कुल चार जवाबी कदम उठाने की घोषणा की है। पहला, यरुशलम स्थित ब्रिटिश कॉन्सुलेट बंद किया जाएगा। दूसरा, कियात गात स्थित इंटरनेशनल गाजा सपोर्ट सेंटर से ब्रिटिश प्रतिनिधियों को हटाया जाएगा। तीसरा, रामल्लाह में ब्रिटिश सपोर्ट टीम के तहत फिलिस्तीनी अथॉरिटी की सुरक्षा बलों को दी जा रही ब्रिटिश ट्रेनिंग बंद की जाएगी।

चौथा अहम फैसला लिया गया कि 12 ब्रिटिश निर्वाचित प्रतिनिधियों और कुछ अन्य ब्रिटिश नागरिकों के इजराइल में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी। इजराइल का आरोप है कि ये लोग यहूदी-विरोधी या इजरायल-विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं या फिर इजरायल के अस्तित्व को ही नकारते हैं।

आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप : इजराइली विदेश मंत्री

इजराइल के विदेश मंत्री ने ब्रिटिश सरकार पर इजराइल के आंतरिक मामलों और चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। उन्होंने ब्रिटेन के नए प्रतिबंधों को राजनीतिक रूप से प्रेरित और इजरायल के खिलाफ एकतरफा कदम बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल को ब्रिटेन के लोगों से कोई समस्या नहीं है और ब्रिटेन में उसके कई मित्र भी हैं, लेकिन उनके मुताबिक मौजूदा लेबर सरकार इजरायल के खिलाफ लगातार कदम उठा रही है।

तेल अवीव ने खासतौर पर वेस्ट बैंक की बस्तियों और E1 क्षेत्र को लेकर ब्रिटेन की आलोचना को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि E1 के विकास से जुड़े फैसले एक साल से अधिक पुराने हैं और फिलिस्तीनी क्षेत्रीय संपर्क प्रभावित होने का ब्रिटिश दावा आधारहीन है।

UK के बैन का जवाब अब प्रतिबंधों के जरिए : गार

साथ ही इजराइल ने ब्रिटेन की उन नीतियों की भी तीखी आलोचना की, जिनमें इजराइली मंत्रियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध, हथियार निर्यात लाइसेंस पर रोक, इजराइल के साथ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत रोकना तथा सैन्य-सुरक्षा सहयोग सीमित करना शामिल है।

सार ने चेतावनी देते हुए बताया कि ब्रिटेन के बाद दूसरे देशों के खिलाफ भी इजराइल अपनी ओर से जवाबी कदम उठा सकता है। उन्होंने कहा कि जो सरकारें इजराइल के खिलाफ कार्रवाई करेंगी, उनके खिलाफ हम भी कार्रवाई करेंगे। जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल ने साफ-साफ संदेश देने की कोशिश की कि, ब्रिटेन के प्रतिबंधों का जवाब अब कूटनीतिक और प्रशासनिक प्रतिबंधों के जरिए दिया जाएगा।

इससे पहले ब्रिटेन ने कल मंगलवार को वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों पर कई पाबंदियों की की और कब्जे वाले फलस्तीनी इलाकों से वस्तुओं के आयात पर रोक लगा दी।

वेस्ट बैंक की बस्तियों में फलस्तीनियों के जातीय सफाये की निंदा करते हुए ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में बयान देते समय ब्रिटेन के विदेश मंत्री एड मिलिबैंड के साथ प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम भी मौजूद थे।

दुनिया के सबसे अमीर PM होंगे और रईस, डोनाल्ड ट्रंप से 7 गुना ज्यादा होगी सैलरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सैलरी और बढ़ने वाली है। दुनिया में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले प्रधानमंत्री के वेतन में करीब 10 लाख डॉलर (लगभग 1 मिलियन डॉलर) की बढ़ोतरी होगी। इसके बाद अब उनकी सैलरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सात गुना अधिक हो जाएगी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, वोंग का वेतन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 400,000 डॉलर के वार्षिक वेतन से लगभग सात गुना अधिक है। मंगलवार को संसद में बोलते हुए वोंग ने बताया कि नेताओं के वेतन में संशोधन किया जाएगा।

इससे पहले से ही दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले पीएम की सैलरी में 64 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हो जाएगी। वोंग को 15 अक्टूबर से 64 प्रतिशत वेतन वृद्धि मिलेगी। इस बदलाव के बाद प्रधानमंत्री का सालाना वेतन 2.2 मिलियन सिंगापुर डॉलर (लगभग 1.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 16.12 करोड़ रुपये) से बढ़कर 3.6 मिलियन सिंगापुर डॉलर (करीब 26.9 करोड़ रुपये) हो जाएगा। सिंगापुर सरकार का कहना है कि ज्यादा सैलरी देने से योग्य और प्रतिभाशाली लोग सियासत में आते हैं और अच्छे शासन में मदद मिलती है। डिप्टी पीएम का सालाना वेतन 1.87 मिलियन सिंगापुर डॉलर से बढ़कर 3.06 मिलियन सिंगापुर डॉलर हो जाएगा।

वहीं, कैबिनेट मंत्रियों को उनकी जिम्मेदारी यानी पोर्टफोलियो के हिसाब से 1.80 मिलियन से 2.88 मिलियन सिंगापुर डॉलर तक वेतन मिलेगा। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान पूरी बढ़ी हुई रकम अच्छे कामों (दान) के लिए दे देंगे। वेतन बढ़ने से पहले भी सिंगापुर के प्रधानमंत्री का वेतन अमेरिका और अन्य जी-7 देशों के नेताओं से काफी ज्यादा था। वोंग ने कहा कि वेतन एक संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दा है। उनकी पार्टी (पीपुल्स एक्शन पार्टी) लंबे समय से संसद और 21 सदस्यीय मंत्रिमंडल पर काबिज है।

राष्ट्रपति पुतिन का दिल्ली दौरा, रूस अपने साथ ला रहा नई पीढ़ी का जेट इंजन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत के दौरे पर आ रहे हैं। उनके दिल्ली दौरे के दौरान कई अहम समझौते भी होने के आसार हैं। साथ ही पुतिन दिल्ली आने के दौरान कुछ खास चीज भी लेकर आ रहे हैं, इसमें नई पीढ़ी का जेट इंजन भी शामिल है। यही नहीं Su-57 फाइटर जेट को लेकर टेक्नोलॉजी साझा करने पर बातचीत हो सकती है।

रूसी एजेंसी Rostec (जिन्हें पहले Rostekhnologii कहा जाता था) जो रूस की सरकारी डिफेंस और इंडस्ट्रियल कंपनी है। रोस्टेक (Rostec) नई दिल्ली में होने वाले INNOPROM इंडिया में नई PD-8 इंजन को प्रदर्शित करने की तैयारी में है, जो रूस के बेहद खास SJ-100 रीजनल एयरलाइनर को पावर देता है। INNOPROM इंडिया 9 से 11 सितंबर तक भारत मंडपम में लगेगा। PD-8 इंजन को रूस की यूनाइटेड इंजन कॉर्पोरेशन (जो

रोस्टेक की एक सब्सिडियरी कंपनी है) ने SJ-100 और Be-200 जैसे घरेलू स्तर पर बने विमानों के लिए तैयार किया है। यह इंजन बेहद खास है। इसका ड्राई वेट करीब 1.17 टन (नैसेल के साथ 2.13 टन) है और इसका बाईपास दर 4.14 है। यह इंजन करीब 8 टन का टेकऑफ थ्रस्ट भी पैदा करता है।

SJ-100 रीजनल एयरलाइनर है, इसमें 75 से लेकर 103 यात्री बैठ सकते हैं। यह एक बार में करीब 3,530 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है। यह काफी तेज उड़ान भरने में सक्षम है। यह Mach 0.82 यानी 1012.1536 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार में भरता है। पिछले साल हुए करार के बाद भारत में SJ-100 का प्रोडक्शन किया जाएगा।

पिछले साल HAL ने किया था करार

इससे पहले हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने पिछले साल अक्टूबर में भारत में SJ-100 सिविल कम्यूटर एयरक्राफ्ट के निर्माण के लिए रूसी पब्लिक जॉइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन के साथ एक करार पर दस्तखत किया। तब इस करार की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस देश के सिविल एविएशन सेक्टर के लिए अहम कदम बताया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि SJ-100 UDAN स्कीम के तहत कम दूरी की कनेक्टिविटी के लिए गेम-चेंजर साबित होगा और सिविल एविएशन में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि SJ-100 देश में बनने वाला पहला पूरी तरह से यात्री एयरक्राफ्ट होगा। एयरक्राफ्ट का मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट सेक्टर को मजबूत करेगा और एविएशन इंडस्ट्री में सीधे और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेगा।

यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (UAC) के प्रमुख वादिम बादेखा ने इस साल जून में 29वें सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (SPIEF) के दौरान बताया था कि भारतीय कंपनी ने SJ-100 रीजनल जेट और Il-114-300 टर्बोप्रॉप विमानों की भारी मांग जताई है।

3 साल में भारत में शुरू होगा प्रोडक्शन

रूसी समाचार एजेंसी TASS से बातचीत के दौरान बादेखा ने कहा, "भारत ने हमारे एविएशन इक्विपमेंट में सबसे पहले गहरी दिलचस्पी दिखाई थी। हमने 'विंग्स इंडिया' में हिस्सा लिया, जहां हमने SJ-100 और Il-114-300 को प्रदर्शित किया था। भारत की सरकारी एयरोस्पेस कंपनी HAL ने Il-114-300 और SJ-100 की मांग की है। हम 100 से 200 विमानों को लेकर बात कर रहे हैं।" उन्होंने कहा था कि भारत को रीजनल और कम दूरी के विमानों की बहुत जरूरत है और यह रूसी एविएशन एक्सपोर्ट के लिए एक अहम बाजार बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में पहले 'सुपरजेट' विमान का प्रोडक्शन अगले 3 साल में शुरू हो सकता है।"

Su-57 फाइटर जेट पर होगी बातचीत

ब्रिक्स समिट के लिए पुतिन के भारत दौरे से पहले, क्रेमलिन ने कल मंगलवार को अपने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट को बढ़ावा देते हुए कहा कि भारत को स्टील्थ फाइटर बेचना राष्ट्रपति पुतिन के एजेंडे में सबसे ऊपर है। साथ ही मॉस्को, Su-57 टेक्नोलॉजी को साझा करने की संभावना पर नई दिल्ली के साथ लगातार बातचीत कर रहा है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, "Su-57 जेट बहुत एडवांस्ड मशीनें हैं और ये दुनिया की बेहतरीन मशीनों में से एक हैं। इन मशीनों को बेचना (पुतिन की ब्रिक्स द्विपक्षीय बैठक के) एजेंडे में शामिल है।"

गरबा पर सीएम फडणवीस की पत्नी अमृता ने बीजेपी नेताओं से अलग लिया स्टैंड, कहा- मुस्लिमों की एंट्री से दिक्कत नहीं

>> नवरात्रि से पहले गरबा पर सियासी संग्राम! >> गरबा में मुस्लिमों की एंट्री गलत नहीं-अमृता

मुंबई, एजेंसी। नवरात्रि से पहले महाराष्ट्र में गरबा पंडालों में मुस्लिमों की एंट्री को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इस मुद्दे पर भाजपा नेताओं और विभिन्न हिंदुत्ववादी संगठनों के रुख के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस का बयान चर्चा का विषय बन गया है। गरबा में प्रवेश को लेकर कुछ भाजपा नेताओं और हिंदुत्ववादी संगठनों की ओर से सख्त नियम लागू करने की मांग की जा रही है। कहीं पहचान की जांच तो कहीं माथे पर तिलक लगाकर प्रवेश देने जैसे सुझाव सामने आ रहे हैं। ऐसे में चंद्रपुर में अमृता फडणवीस ने भारतीय त्योहारों की सर्वसमावेशी परंपरा का उल्लेख करते हुए अलग राय रखी।

अमृता फडणवीस ने कहा कि भारतीय पर्व सभी को साथ लेकर चलने वाली परंपरा का हिस्सा हैं। उनके मुताबिक, यदि कोई मुस्लिम व्यक्ति गरबा उत्सव में शामिल होता है, आयोजन के नियमों का पालन करता है और उत्सव का आनंद लेता है, तो इसमें कोई गलत बात नहीं है। उनके इस बयान के बाद गरबा में मुस्लिमों की भागीदारी को लेकर चल रही राजनीतिक बहस ने नया मोड़ ले लिया है। खासतौर पर इसलिए क्योंकि पिछले वर्षों में नवरात्रि के दौरान इसी मुद्दे पर कई हिंदुत्ववादी संगठनों और नेताओं ने गैर-हिंदुओं के प्रवेश का विरोध किया है।

अब अमृता फडणवीस के बयान ने भाजपा और उससे जुड़े संगठनों के भीतर इस विषय पर अलग-अलग सोच होने की चर्चा को हवा दे दी है। विपक्ष भी इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर सवाल उठा सकता है कि जब मुख्यमंत्री परिवार की ओर से सर्वसमावेशी सोच की बात की जा रही है, तो फिर गरबा में एंट्री को लेकर हर साल विवाद क्यों खड़ा होता है।

पंडालों के लिए VHP की गाइडलाइन

नवरात्रि से पहले यह देखना दिलचस्प होगा कि गरबा में प्रवेश को लेकर भाजपा और हिंदुत्ववादी संगठनों का अंतिम रुख क्या रहता है और क्या अमृता फडणवीस के बयान के बाद इस मुद्दे पर सियासी बयानबाजी में कोई बदलाव आता है। बता दें कि नितेश राणे ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री बैन करने की बात कही थी। वीएचपी ने पंडालों के लिए गाइडलाइन भी जारी की। विश्व हिंदू परिषद ने मुसलमानों की एंट्री रोकने के लिए आने वाले लोगों से तिलक लगाकर आने और आधार कार्ड लाने की अपील की है। उद्धव गुट, शरद गुट और कांग्रेस ने VHP की गाइडलाइंस की कड़ी आलोचना की है।

भारत रत्न से सम्मानित वैज्ञानिक सीएनआर राव को SIR का नोटिस, पहचान साबित करने को कहा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत रत्न से सम्मानित देश के सबसे प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर सीएनआर राव अब अपनी ही पहचान साबित करने के लिए सुनवाई में पेश होने को मजबूर हैं। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान उनके नाम में कुछ गलती पाई गई है, जिसके करेक्शन के लिए उन्हें नोटिस भेजा गया है। पुराने रिकॉर्ड में उनका नाम प्रोफेसर सीएनआर राव (Prof. C.N.R.Rao) है।

मगर मौजूदा रिकॉर्ड में उनके अंग्रेजी नाम में एक एक्सट्रा 'f' जुड़ गया है। इसके बाद उनका नाम 'Proff। CNR Rao' हो गया है। इस कारण अब उन्हें यह नोटिस दिया गया है कि वे आकर साबित करें कि वे वाकई वही प्रोफेसर सीएनआर राव हैं, जिनका जन्म बेंगलुरु के बसवनगुडी में हुआ, जिन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में अनगिनत योगदान दिए और जिन्हें 2014 में भारत रत्न अवार्ड मिला। प्रोफेसर राव को मल्लेश्वरम में सुनवाई के लिए बुलाया गया है। जानकारी के मुताबिक, उनके परिचितों को इस नोटिस की खबर नहीं थी। जब उनके लोगों से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि प्रोफेसर राव की तबीयत ठीक नहीं है। वे फोन बहुत कम चलाते हैं और ईमेल खुद कभी चेक नहीं करते। SIR के दौरान भरे गए फॉर्म में गलतियों की वजह से 43 लाख से ज्यादा वोटरों को नोटिस भेजा गया है। यह लिस्ट अब सबके लिए उपलब्ध है। 'सेल्फ-मिसमैच' का मतलब है एक तरह की गड़बड़ी। जब कोई वोटर जो 2002 की वोटर लिस्ट में था, SIR फॉर्म भरते समय 2002 वाली जानकारी डालता है, लेकिन वह जानकारी आज की लिस्ट से मेल नहीं खाती।

सीरीज शक की रिलीज तारीख आई, लापता बच्चे की तलाश भटकती दिखेंगी परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा एक बार फिर ओटीटी पर वापसी के लिए तैयार हैं। उनकी नई मिस्ट्री-थ्रिलर सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' का पोस्टर और रिलीज डेट सामने आ गई है। 24 सितंबर 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली इस सीरीज में एक मां अपने नौ साल से लापता बच्चे की तलाश करती नजर आएगी, लेकिन इस खोज के दौरान कई चौंकाने वाले रहस्य सामने आएंगे।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर डिजिटल मंच पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी रहस्य-रोमांचक श्रृंखला 'शकः ट्रस्ट नो वन' की प्रदर्शन तिथि घोषित कर दी गई है। इस श्रृंखला का निर्माण चर्चित फिल्म निर्माता सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है, जबकि इसका निर्देशन रेनसिल डी' सिल्वा ने किया है।

पहले इस श्रृंखला का नाम 'तलाशः ए मदर्स सर्च' रखा गया था, जिसे अब बदलकर 'शकः ट्रस्ट नो वन' कर दिया गया है। निर्माताओं के अनुसार, बदला हुआ नाम श्रृंखला की रहस्यमय कहानी और उसमें मौजूद संदेह के माहौल को बेहतर तरीके से दर्शाता है।

डिजिटल मंच नेटफ्लिक्स ने श्रृंखला के प्रदर्शन की तारीख की घोषणा की है। मंच की ओर से श्रृंखला का पोस्टर जारी करते हुए लिखा गया, शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है।

'शकः ट्रस्ट नो वन' को 24 सितंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स के सदस्य दर्शक देख सकेंगे। श्रृंखला की घोषणा इसी साल की शुरुआत में की गई थी और तब से परिणीति चोपड़ा के प्रशंसकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई थी।

'शकः ट्रस्ट नो वन' की कहानी एक मां और उसके नौ साल से लापता बच्चे की तलाश के इर्द-गिर्द घूमती है। बच्चे के अचानक गायब होने के बाद मां उसकी तलाश में जुटती है। इस दौरान उसके सामने कई ऐसे सवाल और रहस्य सामने आते हैं, जो कहानी को रहस्य और रोमांच से भर देते हैं।

श्रृंखला में परिणीति चोपड़ा के अलावा ताहिर राज हुसैन, सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, व्यास सुमित और हर्लिन सेठी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

इस श्रृंखला का निर्माण सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है। वह भविष्य में दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी के जीवन पर आधारित जीवनीपरक फिल्म भी लेकर आने वाले हैं। वहीं 'शकः ट्रस्ट नो वन' का निर्देशन रेनसिल डी' सिल्वा ने किया है, जो रहस्य और गंभीर विषयों को पर्दे पर प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं।

परिणीति चोपड़ा की डिजिटल मंच पर वापसी और रहस्य से भरपूर कहानी के कारण 'शकः ट्रस्ट नो वन' को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। अब 24 सितंबर को इसके प्रसारण के बाद यह देखना होगा कि श्रृंखला दर्शकों की उम्मीदों पर कितनी खरी उतरती है।

धनुष की फिल्म ओम : चैप्टर 1 से ममूटी का दमदार अवतार आया सामने

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी ने अपने फैंस को शानदार तोहफा दिया है। उन्होंने सुपरस्टार धनुष की आगामी फिल्म ओमः चैप्टर 1 से अपने किरदार की एक झलक दिखाई है, जिसके जरिए वह तमिल सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर जारी हुआ है, जिसमें ममूटी को केंद्र में दिखाया गया है। उनकी उपस्थिति फिल्म में एक्शन, इमोशन और स्टाइल के मिश्रण का संकेत देती है।

ओमः चैप्टर 1 के टीजर में, ममूटी को कार्तिकेय के रूप में दिखाया गया है, जो सिया नाम से जुड़ा एक किरदार है और जिसे एक अंतरराष्ट्रीय तस्कर के रूप में वर्णित किया गया है।

उनकी दमदार उपस्थिति से पता चलता है कि फिल्म में उनका किरदार शक्ति और भावनात्मक गहराइयों से भरपूर होगा। कहानी को फिलहाल गुप्त रखा गया है।

इसके जरिए ममूटी 7 साल बाद तमिल सिनेमा में लौटे हैं। उनकी आखिरी फिल्म पेरंबु (2019) थी।

धनुष अपनी वंडरबार स्टूडियोज और आरटेक स्टूडियोज की साझेदारी में ओमः चैप्टर 1 का निर्माण कर रहे हैं। इसका संगीत साई अभ्यंकर ने संगीत दिया है।

फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। वहीं, श्रीलीला एक अहम किरदार में शामिल होंगी।

नसीरुद्दीन शाह भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं और यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने वाली है।

यह 16 अक्टूबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रिलीज से पहले 'वाइब' का छाया खुमार, कुणाल खेमू की फिल्म का टाइटल ट्रैक 'ऐसी मेरी वाइब' जारी

अभिनेता कुणाल खेमू की आगामी फिल्म 'वाइब' अपनी रिलीज से पहले ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले बनी इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म के ट्रेलर को कुछ दिन पहले जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अब निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक गीत 'ऐसी मेरी वाइब' जारी कर दिया है।

गाने में फिल्म के सभी प्रमुख कलाकार एक साथ नृत्य करते नजर आ रहे हैं। इसका फिल्मांकन कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर पर किया गया है। गाने में कुणाल खेमू और स्पर्श श्रीवास्तव का जोशीला नृत्य खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

'ऐसी मेरी वाइब' को खिलारी, इरफाना और कन्फ्यूजन ने अपनी आवाज दी है। कनिष्क पाल ने गाने का संगीत तैयार किया है, जबकि इसके बोल शुभम सोपान, खिल्लारी और इरफाना हमीद ने लिखे हैं।

तेज और जोशीले संगीत से भरपूर यह गाना युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गाने में फिल्म के प्रमुख कलाकारों की ऊर्जा और नृत्य का अंदाज देखने को मिलता है। माना जा रहा है कि इसकी धुन और प्रस्तुति दर्शकों को थिरकने के लिए मजबूर कर सकती है।

इससे पहले 'वाइब' का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। ट्रेलर में एक्शन और हास्य का मिश्रण देखने को मिला था। फिल्म की कहानी और कलाकारों के किरदारों को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है।

फिल्म का निर्देशन और कहानी से जुड़ी अन्य जानकारी निर्माताओं की ओर से धीरे-धीरे सामने लाई जा रही है। टाइटल ट्रैक जारी होने के बाद फिल्म के प्रचार अभियान को भी गति मिलने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com